दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष : 28, अंक : 232   पृष्ठ 12, रीवा

गुरुवार 14 मई 2026
मूल्य : 3.00 रुपए

यूपी में मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों की फ्लीट में आधी कटौती

लखनऊ वैश्विक हालात और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधन बचत संबंधी आह्वान को प्रदेश में लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की फ्लीट में तत्काल 50 प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए हैं। सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डेज् मनाने और मंत्री, सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री योगी ने मुख्य सचिव, डीजीपी और सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों एवं प्रमुख सचिवों के साथ बैठक में कहा कि दुनिया में अस्थिरता का माहौल है, ऐसे में संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की जरूरत है। उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों के काफिलों से अनावश्यक वाहन हटाए जाएं। सीएम ने सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डेज् मनाने और मंत्री, सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को कहा। उन्होंने मेट्रो, पीएनजी, बस, कार पूलिंग, साइकिलिंग और ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही प्रदेशवासियों से ईंधन की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और सरकारी कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम संस्कृति को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सचिवालय और निदेशालय की 50 प्रतिशत आंतरिक बैठकें वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएं। स्कूलों और कॉलेजों में भी सेमिनार, वर्कशॉप और बैठकों को ऑनलाइन मोड में करने पर जोर दिया गया। ऊर्जा बचत को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी और निजी भवनों में अनावश्यक बिजली का उपयोग रोका जाए। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात 10 बजे के बाद सजावटी रोशनी सीमित रखने के निर्देश दिए

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट-हृदय गति रुकने से हुई प्रतीक यादव की मौत, फेफड़ों में जमे थे खून के थक्के; नीली पड़ी लाश

लखनऊ समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। 38 वर्षीय प्रतीक यादव अपनी फिटनेस को लेकर बेहद सतर्क रहते थे और प्रतिदिन जिम में घण्टों कसरत भी किया करते थे। लेकिन अचानक उनकी मौत होने पर प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराया। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मौत का असली कारण पता चला है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रतीक यादव की हृदय गति रुक गई थी। साथ ही उनके फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं में खून के थक्के जम गए थे।

डाक्टरों के मुताबिक जिस वजह से उनको सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इस वजह से उनकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, उनके शरीर का रंग पूरी तरह से नीला पड़ चुका है। उनके शरीर का वजन काफी बढ़ गया था। इस वजह से उनके हार्ट और विसरा को सुरक्षित रख दिया गया है। प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह पल्मोनरी

एम्बोलिज्म सामने आई है। जांच में पता चला कि शरीर में बना खून का थक्का फेफड़ों की धमनियों में जाकर फंस गया था। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थिति को पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहा जाता है, जिसमें फेफड़ों तक खून और ऑक्सीजन का प्रवाह अचानक रुक जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खून का बड़ा क्लॉट फेफड़ों की मुख्य धमनी में पहुंचने से सांस लेने की प्रक्रिया अचानक प्रभावित हुई। ऑक्सीजन की आपूर्ति रुकने से दिल के दाहिने हिस्से पर अत्यधिक दबाव पड़ा और कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि बड़े क्लॉट की वजह से अचानक सांसें थम गईं, जिससे प्रतीक यादव की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिवार और समर्थकों में शोक का माहौल है।

इस बीच जानकारी मिली है कि प्रतीक यादव का उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) और हाइपरटेंशन के मरीज थे। कुछ दिन पहले उन्हें पल्मोनरी एम्बोलिज्म (फेफड़ों में ब्लड क्लॉट) की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीमारी में ब्लड क्लॉट फेफड़ों की धमनियों में जाकर रुक जाता है, जिससे हृदय का कार्य प्रभावित हो जाता है। यह भी जानकारी मिली है कि प्रतीक यादव ब्लड थिनर दवाओं पर थे और वे अपने बीमारी से पूरी तरह अवगत थे। वे नियमित रूप से अपनी ब्लड प्रेशर की दवाएं

पुंछ में एक आतंकी ढेर, किश्तवाड़ में आतंकी मददगार शिक्षक गिरफ्तार

पुंछ, जम्मू-कश्मीर मे आतंकवाद विरोधी कार्रवाई लगातार जारी है। बुधवार को भारतीय सेना ने पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकी को ढेर कर दिया, जबकि एक अन्य घायल हुआ। ढेर हुए आतंकी के पास से आईईडी से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। इस बीच, सुरक्षा एजेंसियों ने किश्तवाड़ जिले से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और अन्य मदद पहुंचाने के आरोप में सरकारी स्कूल शिक्षक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पीएम मोदी की अपील का असर, शाह और नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ी कम कीं

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी की है। उन्होंने यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद लिया है, जिसमें उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को देखकर पेट्रोल-डीजल बचत की अपील की थी।इसके पहले पीएम मोदी ने भी हाल ही में गुजरात और असम दौरे पर अपने काफिले को छोटा रखा था और केवल उन्ही गाड़ियों को शामिल किया, जो सुरक्षा के लिहाज से ज़रूरी थीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां भी सम्भव हो, काफिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल करें।

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट रखी पास, नंदीग्राम छोड़ी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया। सुवेंदु ने भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को हराया है।

शपथ लेने के बाद सीएम सुवेंदु ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक की। इसमें निर्देश दिया कि राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा।

अमूल दूध फिर महंगा- आज से बढ़ेंगे दाम,

अहमदाबाद गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) द्वारा अमूल ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले दूध के दामों में एक बार फिर वृद्धि की गई है। फेडरेशन ने विभिन्न दूध उत्पादों की कीमतों में प्रति लीटर रु. 2 तक का इजाफा करने की घोषणा की है। नए दाम 14 मई 2026 से पूरे देश में लागू होंगे। नई दरों के अनुसार, अमूल ताज़ा के 1 लीटर पैक की कीमत में रु. 2 की बढ़ोतरी की गई है,

मणिपुर में चर्च नेताओं की हत्या- हिंसा, तनाव और राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

इंफालमणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीबीए) के तीन चर्च नेताओं की अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या की गई, जिससे पूरे इलाके में गहरा तनाव और दहशत फैल गई है। इस बर्बर हमले में पांच अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।

मृतकों की पहचान मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन (एमबीसी) के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ, रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगीलेन के रूप में हुई है। घायल हुए लोगों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग और दो ड्राइवर लेलें व गौमांग शामिल हैं। ये सभी चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित टीबीए सम्मेलन से दो वाहनों में कांगपोकपी लौट रहे थे, तभी कोतजिम और कोतलेन इलाकों के बीच उन पर अचानक फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (एनएच-2) को पत्थर और लकड़ियां लगाकर अवरुद्ध कर दिया। एनएच-2 मणिपुर को नागालैंड सहित देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके बंद होने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।मणिपुर में चर्च नेता सिर्फ आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं होते, बल्कि वे सामाजिक और राजनीतिक मामलों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली, राहत कार्यों और आदिवासी ईसाई एकता की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम करते हैं। कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने बताया कि मृतक रेव. वी. सितल्होउ हाल ही में कोहिमा में नागालैंड जॉइंट क्रिश्चियन फोरम (एनजेसीएफ) के साथ शांति और सामुदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने की पहलों में शामिल थे। घटना के विरोध में, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (केएसओ), चुराचांदपुर जिला ने बुधवार दोपहर 12:30 बजे से अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है। केएसओने इस हमले को निर्दोष टीबीए चर्च नेताओं की हत्या करार देकर राज्य की कानून-व्यवस्था एजेंसियों पर सशस्त्र समूहों की गतिविधियों को नियंत्रित करने में विफल रहने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, प्रेस और मीडिया, बिजली आपूर्ति तथा धार्मिक कार्यक्रमों को इस बंद से छूट दी गई है।

बंगाल में किसी भी धार्मिक स्थल, पूजा में तेज आवाज में नहीं बजेंगे लाउडस्पीकर

-उल्लंघन बर्दाश्त नहीं, शुभेंदु सरकार ने पुलिस विभाग को दिए सख्त निर्देश

कोलकाता,। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही लाउडस्पीकर के नियमों को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। शुभेंदु अधिकारी सरकार ने पुलिस विभाग को निर्देश दिया है कि किसी भी धार्मिक स्थल, पूजा या सार्वजनिक कार्यक्रम में हाईकोर्ट के मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस को निर्देश दिए कि वे सभी इलाकों में लाउडस्पीकर की आवाज की निगरानी करें। अगर कहीं भी तय डेसिबल से ऊंची आवाज में लाउडस्पीकर बजते पाए गए, तो प्रशासन उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने पुलिस प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा है कि यह नियम सभी पर समान रूप से लागू होगा। चाहे मंदिर हो, मस्जिद, गुरुद्वारा हो या कोई अन्य धार्मिक आयोजन, ध्वनि प्रदूषण से जुड़े कानूनों का पालन हर हाल में करना होगा। राज्य में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए पुलिस को इन आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

बंगाल सरकार ने जिला प्रशासन को अवैध टोल वसूली पर भी सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि बंगाल के सभी जिलों में, जहां से वाहनों की आवाजाही होती है, ऐसे सभी टोल गेट, ड्रॉप गेट, बैरिकेड वाली संरचनाएं और चालू वसूली केंद्र, जिन्हें पश्चिम बंगाल सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकृत नहीं किया है, उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। संबंधित जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया है कि अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ऐसे अनधिकृत टोल और ड्रॉप गेटों की पहचान करें। उन्हें तत्काल बंद करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उचित प्राधिकरण के बिना उन्हें दोबारा स्थापित होने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

सोनिया गांधी रुटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली,(ईएमएस) । कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं।

राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था। पेट में इंफेक्शन से जुड़ी समस्या बताई थी, जिसके इलाज के लिए वह वहां पहुंची थीं। वहीं जनवरी में उन्हें सांस लेने में समस्या हुई थी। यह भी कहा गया था कि दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण और सर्दी के चलते भी उन्हें यह परेशानी हुई है। जून 2025 में भी सोनिया गांधी को सर

तमिलनाडु में लॉरी से टकराई तेज रफ्तार कार, पुलिसकर्मी समेत छह की मौत

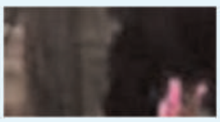

चेन्नई,(ईएमएस) । तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले के वेल्लाकोविल के पास बुधवार तड़के करूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार लॉरी से टकरा गई। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल समेत छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना वेल्लाकोविल में करूर राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिस चौकी के पास तब हुई जब अधिकारी सड़क के बीच में लगे डिवाइडर से टकराई एक लॉरी को हटाने में लगे थे।

अधिकारियों ने बताया कि उसी सड़क पर तेज रफ्तार से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित हो

सीबीआई डायरेक्टर चयन पर राहुल गांधी की असहमति

बोले- विपक्ष का नेता रब्बर स्टैंपज् नहीं, चयन प्रक्रिया को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली,(ईएमएस) । प्रधानमंत्री आवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई डायरेक्टर के चयन को लेकर अपनी असहमति जताई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है और विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और राहुल गांधी शामिल हुए। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर के चयन के लिए सरकार की ओर से 69 उम्मीदवारों की सूची दी गई, लेकिन उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों की सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट और 360-डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट देने से साफ इनकार कर दिया गया। राहुल ने अपने पत्र में लिखा कि विपक्ष के नेता को चयन समिति में इसलिए शामिल

किया जाता है ताकि संस्थाओं पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण न हो और प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक दस्तावेज और मूल्यांकन रिपोर्ट ही साझा नहीं की जाएंगी, तो विपक्ष की भूमिका केवल रब्बर स्टैंपज् बनकर रह जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है।

एयर इंडिया ने तीन महीनों के लिए की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

-वित्तीय वर्ष में 22,000 करोड़ से ज्यादा का घाटा होने का अनुमान

नई दिल्ली, मध्य पूर्व संकट के कारण जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयर इंडिया ने जून की शुरुआत से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित करने का फैसला लिया है। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दिल्ली से जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी की गई है उनमें शिकागो और नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख गंतव्य शामिल हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया ने सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे गंतव्यों के लिए भी उड़ानें कम कर दी हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कुल मिलाकर एयरलाइन ने रोज करीब 100 उड़ानों को कम किया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पिछले सप्ताह कहा था कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कटौती जारी रखेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बढ़ते वित्तीय दबाव और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए, एयर इंडिया ने अपने आंतरिक अनुपालन और लागत नियंत्रण उपायों को और कड़ा कर दिया है। एयरलाइन ने पिछले तीन सालों में नैतिक कदाचार और नीतिगत उल्लंघनों के लिए 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त किया है।

यह खुलासा विल्सन ने पिछले सप्ताह कर्मचारियों के साथ एक टाउन हॉल बैठक में किया। विल्सन ने कर्मचारियों को बताया कि एयरलाइन ने कई उल्लंघनों में शामिल कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें एम्प्लॉई लीजर ट्रैवल सिस्टम का दुरुपयोग, विमान से सामान की तस्करी और उचित शुल्क के बिना अतिरिक्त सामान ले जाने की अनुमति देना शामिल है। एयरलाइन की यह सख्त कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब वह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है।एयर इंडिया समूह, जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं, मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 22,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा होने का अनुमान है।टाटा समूह के तहत व्यापक पुनर्गठन और सुधार प्रयासों के तहत, एयरलाइन ने पहले ही कई लागत-बचत उपाय शुरू कर दिए हैं। इनमें कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि को रोकना, विवेकाधीन खर्चों में कटौती करना और सभी विभागों में गैर-जरूरी खर्चों को कम करना शामिल है।

भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 45 दिन का एलपीजी स्टॉक

-मंत्री पुरी बोले- अफरा-तफरी मचाना बेकार, पीएम की बातें ध्यान से सुनें

नई दिल्ली, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम मोदी की बचत की अपील का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है,

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ।

कोल इंडिया करेगी वैश्विक खनिज का विस्तार

नई दिल्ली। सरकारी खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने पारंपरिक कोयला कारोबार से आगे बढ़कर वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक बड़ी तैयारी कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में चिली और सिंगापुर में सहायक इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे रणनीतिक खनिजों में अवसरों की तलाश करना है। सीआईएल कध्कि अ?धिकारी ने बताया कि कंपनी ने चिली में एक लीथियम ब्लॉक की पहचान की है और वह चिली सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है।

लाइसेंस राज होगा खत्म, सरकार लाएगी अगली पीढ़ी के बड़े सुधार- नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के एक सदस्य ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में घोषणा की कि सरकार लाइसेंस राज के नए अवतारों को समाप्त करने और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म किया, लेकिन लाइसेंस राज को नहीं। आज किसी भी कारोबार के लिए आवश्यक हर अनावश्यक परमिट लाइसेंस राज का ही एक रूप है।

सरकार अब जब तक मना न हो तब तक अनुमति है के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी। सुधारों का उद्देश्य नियामक हस्तक्षेप से व्यवस्था को मुक्त करना है।

ब्लैक बॉक्स ने 2एस इनोवाकोएस का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली । एस्सार ग्रुप की आईटी कंपनी ब्लैक बॉक्स ने बुधवार को ब्राजील स्थित सिस्टम इंटीग्रेटर 2एस इनोवाकोएस टेक्नोलॉजियास एसए के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस अधिग्रहण से उसके वार्षिक राजस्व में 500 करोड़ रुपए का इजाफा होगा, जो वैश्विक विकास और लातिन अमेरिकी बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा।

सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा- जीजेईपीसी

- आयात शुल्क बढ़ने पर उद्योग ने जताई आपत्ति, कहा- एमएसएमई पर पड़ेगा गंभीर असर

नई दिल्ली । रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है। जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है। जीजेईपीसी ने आशंका जताई है कि उच्च शुल्क से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात की लागत में वृद्धि होगी। परिषद के अनुसार, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस निर्णय का सबसे गंभीर असर एमएसएमई विनिर्माताओं पर पड़ेगा, जो परिषद के 80 प्रतिशत सदस्य हैं और पहले से ही गंभीर नकदी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर परिषद ने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बैठकें की हैं।

सोने-चांदी पर बढ़ाई सरकार ने कस्टम ड्यूटी

केंद्र सरकार ने सोने-चांदी और ज्वेलरी से जुड़े आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सोने-चांदी से संबंधित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क 4.35 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले छोटे पार्ट्स और फाइंडिंग्स पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा।

पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

- तेल वर्ष की पहली छमाही में 79.4 लाख टन पहुंचा आयात

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने सबसे निचले स्तर 95.70 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 16 पैसे उछलकर 95.52 प्रति डॉलर की मांग में कमी के आसार से घरेलू मुद्रा को बल मिला है।

सरकारी बैंकों का वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ का मुनाफा

- एसबीआई समेत प्रमुख बैंकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, एनपीए में भी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.12 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार चौथा वित्त वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाकर अपनी वित्तीय स्थिरता और क्षमता का प्रदर्शन किया है। वित्त मंत्रालय ने इस उपलब्धि को बेहतर कारोबारी विस्तार और सुधरी हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता का परिणाम बताया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें अब और भी बढ़ोतरी हुई है। यह लाभप्रदता का सिलसिला वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये के लाभ के साथ शुरू हुआ था और लगातार बढ़ता जा रहा है।

देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक का सर्वाधिक शुद्ध सालाना लाभ 80,032 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा ने 20,021 करोड़ रुपये और पंजाब नेशनल बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है।

मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन निरंतर व्यावसायिक वृद्धि, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता, रिकॉर्ड लाभप्रदता और मजबूत पूंजी स्थिति का प्रतीक है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती ऋण जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूती प्रदर्शित होती है। देश के 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

हुंडई की दो नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया कंपनी अपनी एसयूवी लाइनअप को और मजबूत करने जा रही है। इसी क्रम में हुंडई मोटर इंडिया दो नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है, जिनमें से एक वेन्यू और क्रेटा के बीच के सेगमेंट में एक बिल्कुल नई मिड-साइज एसयूवी होगी।

यह नया मॉडल विशेष रूप से यूरोप में सफल हुंडई बेयोन पर आधारित होगा, जिसे भारतीय ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार अनुकूलित किया जाएगा, जिससे वह सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरेगी। इस नई एसयूवी का डिजाइन हुंडई की प्रशंसित सेंसुअस स्पोर्टिनेस डिजाइन भाषा पर आधारित होगा, जिसमें स्प्लिट एलईडी हेडलाइट्स, आकर्षक 16 इंच के डायमंड कट अलॉय व्हील्स और कनेक्टेड टेललाइट्स जैसे आधुनिक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं।

एक बड़ा आकर्षण यह हो सकता है कि हुंडई इसमें सीएनजी विकल्प भी पेश कर सकती है, जो इसे इस श्रेणी की पहली हुंडई कार बना देगा और ईंधन दक्षता चाहने वाले ग्राहकों के लिए एक बढ़िया विकल्प प्रदान करेगा। इंजन विकल्पों में, इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा।

इसके अलावा, कंपनी एक नया 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन भी पेश कर सकती है, जो बेहतर प्रदर्शन और ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, हुंडई भारत में अपनी प्रीमियम एसयूवी हुंडई पैलिसेड को भी लॉन्च करने की योजना बना रही है, जो टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी स्थापित एसयूवी को चुनौती देगी।

यह मॉडल 2028 तक भारतीय सड़कों पर उतरने की उम्मीद है, जिससे हुंडई की एसयूवी रणनीति की व्यापकता स्पष्ट होती है। भारतीय बाजार में इस नई मिड-साइज एसयूवी का सीधा मुकाबला मारुति की आगामी एसयूवी और अन्य कॉम्पैक्ट मॉडलों से होगा, जिससे इस प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में ग्राहकों के लिए और भी बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे।

अर्टिगा ने सबको पछाड़कर हासिल किया नंबर 1 स्थान

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 में मारुति सुजुकी ने भारतीय 7-सीटर सेगमेंट में बाजी मार ली है। बिक्री के मामले में एमपीवी अर्टिगा ने सबको पछाड़कर नंबर 1 स्थान हासिल किया। बीते महीने अप्रैल में कुल 19,063 अर्टिगा यूनिट्स की बंपर सेल हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 20.8 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्शाती है।

दमदार प्रदर्शन के दम पर अर्टिगा ने एमपीवी सेगमेंट में 22.6 प्रतिशत की बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। महिंद्रा के मॉडल भी बाजार में मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। स्कॉर्पियो सीरीज (स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक) ने 14,719 यूनिट्स बेचकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, हालांकि इसकी बिक्री में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं, महिंद्रा बोलेरो 8,917 यूनिट्स की सेल के साथ चौथे नंबर पर रही, जिसकी बिक्री में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सह और एक्सयूवी 700 की संयुक्त बिक्री 8,630 यूनिट रही, जिससे इन्हें पांचवां स्थान मिला। इनकी बिक्री में 26.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी की बढ़ती मांग को दिखाती है। महिंद्रा के इन चारों मॉडलों की कुल 35,508 यूनिट बिकीं, जो शीर्ष 10 की कुल बिक्री का करीब 42 प्रतिशत है।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस और क्रिस्टा ने संयुक्त रूप से 9,630 यूनिट बेचकर तीसरा स्थान पाया। क्रिस्टा की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 25.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई है। अर्टिगा के रीबैज्ड वर्जन, टोयोटा रुमियन ने 2,585 यूनिट्स बेचकर नौवां स्थान हासिल किया। फॉर्च्यूनर की मांग में कमी आई, 2,253 यूनिट्स के साथ यह 10वें स्थान पर रही, जिसमें 22.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। किआ कैरेंस और क्लैविस ने 5,465 यूनिट्स बेचकर छठा स्थान हासिल किया, जिसमें 3.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने 3,242 यूनिट्स की सेल के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया। मारुति सुजुकी एक्सएल6 की 3,527 यूनिट्स बिकीं, जो सातवें स्थान पर रही।

किआ सिरोस के अपडेटेड मॉडल को बाजार में उतारने की तैयारी

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी किआ सिरोस के अपडेटेड 2026 मॉडल को किआ मोटर्स ने बाजार में उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। नए मॉडल में कई नए वैरिएंट्स, आकर्षक रंग विकल्प और महत्वपूर्ण फीचर बदलाव शामिल किए गए हैं। किआ ने सिरोस लाइनअप में एचटीई, एचटीई (ओ), एचटीके प्लस (ओ) और एचटीएक्स (ओ) जैसे कई नए वैरिएंट्स जोड़े हैं। इसके साथ ही, ग्राहकों को आइवरी सिल्वर मैट, आइवरी सिल्वर ग्लॉस और मैग्मा रेड जैसे नए और ताज़ा रंग विकल्प भी उपलब्ध होंगे। नई सिरोस के एक्सटीरियर को हल्के फुल्के बदलावों के साथ नया रूप दिया गया है। इसमें अब नए डिजाइन वाले फ्रंट और रियर बंपर, ब्लैक इंसर्ट्स और हॉरिजॉन्टल एलईडी फॉग लैंप दिए गए हैं। इसके अलावा, 17 इंच के नए अलॉय व्हील और नियॉन फिनिश वाले ब्रेक कैलिपर्स इसकी स्पोर्टी अपील को और बढ़ाते हैं। हालांकि, कंपनी ने कुछ प्रीमियम फीचर्स को हटाकर कीमत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने की कोशिश की है। अब कुछ चुनिंदा वैरिएंट्स में एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम), 360 डिग्री कैमरा, एम्बिएंट लाइटिंग और वन टच पावर विंडो जैसे फीचर्स नहीं मिलेंगे।

मैकेनिकल स्तर पर एसयूवी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह ही दमदार 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और कुशल 1.5 लीटर डीजल इंजन विकल्प दिए जाएंगे। दोनों इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध होंगे, जो ग्राहकों को अपनी पसंद चुनने की सुविधा देंगे। नई किआ सिरोस की एक्स-शोरूम कीमत 8.40 लाख रुपये से शुरू होकर 15.80 लाख रुपये तक जाएगी। कंपनी पुराने मॉडल ईयर 2025 पर ग्राहकों को 50 हजार रुपये तक के आकर्षक बेनिफिट भी दे रही है, जिसमें कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस और स्क्रैपेज बोनस शामिल हैं।

आयात शुल्क बढ़ने से सोना चमका, चांदी फिर 3 लाख के पार

- घरेलू वायदा में सोना 9,900 और चांदी 17,700 रुपए से अधिक महंगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोने-चांदी के आयात को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से इनके आयात शुल्क को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर सीधा 15 प्रतिशत कर दिया है। इस बड़े फैसले के तुरंत बाद बुधवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजारों में दोनों कीमती धातुओं के भावों में असाधारण तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों और कारोबारियों में हलचल मच गई। केंद्र सरकार द्वारा आयात शुल्क बढ़ाने के निर्णय के कारण बुधवार को कीमती धातुओं के वायदा भाव में रिकॉर्ड तोड़ तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,409 रुपये की मजबूत तेजी के साथ 1,54,851 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 9,939 रुपये की भारी उछाल के साथ 1,63,381 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,64,497 रुपये का उच्च स्तर छुआ। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी देखी गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 11,162 रुपये की बढ़त के साथ 2,80,229 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। थोड़ी ही देर में यह 17,777 रुपये की जबरदस्त उछाल के साथ 2,96,839 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी ने 3,01,429 रुपये का दिन का उच्च स्तर छूकर 3 लाख रुपये के आंकड़े को पार किया, जो बाजार में मजबूत सेंटिमेंट को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भावों में तेजी बनी रही। कॉमेक्स पर सोना 15.90 डॉलर बढ़कर 4,702.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

मुंबई। मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

- तेल कंपनियों के भारी नुकसान और पर्याप्त ईंधन भंडार पर दिया जोर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है।

अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है।

हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है।

गंगा दषहरा पर मैहर के आल्हा ताल में होंगे विविध कार्यक्रम

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 26 मई गंगा दशहरा के अवसर पर प्रसिद्ध आल्हा ताल में सांध्यकालीन गंगा आरती शास्त्रीय संगीत कथक की प्रस्तुति, दीपदान सहित विभिन्न कार्यक्रम जल संरक्षण की थीम पर आयोजित होंगे। सभी ग्राम पंचायतों में इस दिन एक ही समय पर प्रातः 8 बजे से श्रमदान के कार्यक्रम होंगे। नगर पालिका मैहर द्वारा प्रातः 10 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। शाम को कार्यक्रम स्थल आल्हा ताल पर आकर्षक रंगोली सजाई जायेगी। इस दौरान नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रमों की रिपोर्ट सीईओ जिला पंचायत के पास एकत्र की जायेगी। विविध कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समितियां भी बनाई गई हैं।

उत्कृष्ट जनगणना कार्य पर प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का सम्मान

मैहर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी बिदिशा मुखर्जी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की बैठक के दौरान जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने जनगणना कार्य में संलग्न प्रगणक और सुपरवाइजरों को निर्धारित समय-सीमा से पूर्व एचएलबी और मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण करने पर बधाई और शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एसपी मिश्रा, दिव्या पटेल, आरती सिंह, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, आरडी साकेत भी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

अनुपस्थित दो ए.एन.एम का वेतन कटाए कारण बताओ नोटिस जारी

सिंगरौली कलेक्टर श्री गौरव बैनल के निर्देशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता और कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर जिले में क?ा रुख अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज विकासखण्ड देवसर के अंतर्गत दो उप स्वास्थ्य केंद्रों के औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाई गई दो एएनएमण् के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं।

महिलाओं को रोजगारमुखी बनाने कृषि विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण

सीधी महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष 2026 के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारोन्मुख कौशल से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 एवं 12 मई 2026 को महिला कृषकों को मोटे अनाज प्रसंस्करण एवं कटहल के पापड़ निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में 20 महिला कृषकों ने सहभागिता कर विभिन्न खाद्य उत्पादों के निर्माण की तकनीक सीखी।

आज नहीं सजग हुए तो आने वाली पीढ़ियां जल संकट झेलेंगी – कमिश्नर

जल गंगा संवर्धन अभियानः दसौंधा तालाब में श्रमदान, कमिश्नर ने दिया जनजागरण का संदेश

हर नागरिक के छोटे प्रयास से जल सुरक्षा का बड़ा लक्ष्य संभव - कमिश्नर

सीधी प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के तहत रामपुर नैकिन स्थित दसौंधा तालाब, बूढ़ी माता मंदिर परिसर में भव्य श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर जल संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रभावी अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य केवल जल स्रोतों का संरक्षण ही नहीं, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थल पर श्रमदान करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है और यह केवल श्रमदान नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प है। कमिश्नर ने कहा कि हर जल स्रोत हमारे लिए मां गंगा के समान है, इसलिए इनकी सेवा और संरक्षण श्रद्धा के साथ किया जाना चाहिए। ‌‌«जल है तो जीवन है» केवल एक संदेश नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक समय था जब गांवों में कुओं से सहज रूप से पर्याप्त जल उपलब्ध हो जाता था, लेकिन आज जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और कई स्थानों पर 100 फीट से अधिक गहराई में भी पानी नहीं मिल रहा। यह स्थिति संकेत देती है कि यदि हम अभी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का गंभीर सामना करना पड़ेगा। कमिश्नर ने कहा कि हम अपने पूर्वजों द्वारा हमें सौंपे गए प्राकृतिक संसाधनों को धीरे-धीरे समाप्त कर रहे हैं। धरती माता के संरक्षण के लिए पौधारोपण करें, लेकिन केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित और सुरक्षित रखने का संकल्प लें। समाज के छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव बनते हैं और जनभागीदारी से ही ऐसे अभियान सफल होते हैं।

सीएम हेल्पलाइन का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें-कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मैहर कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर सभी विभाग ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत निम्न गुणवत्ता से बंद नहीं हो और ना ही नाट-अटेण्ड रहे। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में टीएल प्रकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य विभागों के समन्वय बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एसपी मिश्रा, दिव्या पटेल, आरती सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सीएमओ सुषमा मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, आरईएस लाजरूस केरकेट्टा, जनपद पंचायत के सीईओ सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मैहर जिले में 5760 शिकायतें निराकरण के लिए लंबित है और मैहर जिले की 21वीं रैंक है। उन्होंने कहा कि ग्रेडिंग के लिए अभी समय है। सभी विभागीय अधिकारी अपना स्टेटस सुधारे और ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि 180 दिन के एक भी प्रकरण लंबित होने चाहिए। ऐसा होने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ लिखा जायेगा। सीएम हेल्पलाइन की 7 शिकायतें नाट-अटेण्ड पाई गई। जिनमें ऊर्जा और पीएचई विभाग की दो-दो तथा नियंत्रक नापतोल पुलिस और डीपीसी की एक-एक शिकायतें नाट-अटेण्ड रही। कलेक्टर ने नाट-अटेण्ड शिकायतों पर एल वन स्तर के अधिकारी की एक दिवस की वेतन काटने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य नगरीय निकायों में चल रहा है। यह ग्रेडिंग के लिए नहीं बल्कि सतत प्रक्रिय के रूप में है।

जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गरबधा तालाब में श्रमदान

मैहर। जिला कलेक्टर विदिशा मुखर्जी के निर्देशन में बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गरबधा तालाब में जन अभियान परिषद मैहर की नवांकुर संस्थाएं, नगर प्रस्फुटन समिति वार्ड नंबर 4 एवं वार्ड नंबर 15, मुख्यमंत्री समुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के मेम्बर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता में श्रमदान कर तालाब की स्वच्छता की गई। उपस्थित सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा शपथ लेकर तालाब के घाट को स्वच्छ एवं जल को निर्मल करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर समन्वयक प्रदीप तिवारी, सविता शर्मा, मनोज शुक्ला, कल्पना सिंह, पुनीत मैनी, शिवकुमार पटेल एवं राजकुमार विश्वकर्मा की सहभागिता रही।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

मैहर। जगत कल्याण हेतु संगीतमई श्रीमद् भगवत कथा का शुभारंभ बुधवार को 101 कलश यात्रा के साथ किया गया। जिसका शुभारंभ विधिवत पूजन अर्चण कर हनुमान मंदिर पावर हाउस अमड़ा से ढोल नगाड़ो एवं रथयात्रा से किया गया। यह आयोजन कटनी तिराहा बायपास स्थित संगीता सुशील कुमार बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। कलश यात्रा उपरांत प्रथम दिवस व्यासपीठ आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज द्वारा कथा का महात्म सुनाया गया। कलश यात्रा में प्रमुख रूप से आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज, श्याम बाजपेयी, कृष्णाधार शर्मा, गोपाल बाजपेयी, शरद बाजपेयी, बीरेन्द्र द्विवेदी, राजकुमार शर्मा, सुशील मंगेले, एलके बाजपेयी, सूरज एवं आशीष सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

खरीदी केंद्र कंधवार कटौली का कमिश्नर ने किया औचक निरीक्षण

किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रखने के निर्देश

सीधी रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने जिले के खरीदी केंद्र कंधवार कटौली का आकस्मिक निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्य की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर मौजूद किसानों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं, अनुभव और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।कमिश्नर ने खरीदी केंद्र पर तौल, भंडारण, परिवहन तथा किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। किसानों से संवाद करते हुए उन्होंने खरीदी प्रक्रिया, भुगतान व्यवस्था और केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। किसानों द्वारा साझा की गई समस्याओं और सुझावों पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कमिश्नर बीएस जामोद ने केंद्र पर उपलब्ध उपज के परिवहन की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले दो दिनों के भीतर 90 प्रतिशत उपज का परिवहन सुनिश्चित किया जाए, ताकि खरीदी केंद्रों पर अनावश्यक भंडारण की स्थिति न बने और किसानों को अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य उपार्जन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध होनी चाहिए।

नल-जल योजना की जमीनी स्थिति परखा, कमिश्नर ने हितग्राहियों से लिया फीडबैक

गोपालपुर में कमिश्नर बीएस जामोद का निरीक्षण

सीधी रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने जिले के गोपालपुर पहुंचकर नल-जल योजना तथा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गति लाने और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने नल-जल योजना के हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर जल आपूर्ति की स्थिति, पानी की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और योजना से मिलने वाले लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने हितग्राहियों से यह भी जाना कि उन्हें नियमित रूप से पर्याप्त पानी मिल रहा है या नहीं तथा योजना के संचालन में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही है। प्राप्त फीडबैक के आधार पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि नल-जल योजना ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने की महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि हर पात्र परिवार को नियमित और पर्याप्त जल उपलब्ध हो। उन्होंने नागरिकों से जल का समुचित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि जल एक अमूल्य संसाधन है और इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है।जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 31 मई तक सभी निर्धारित कार्य पूर्ण किए जाएं, ताकि जल संरक्षण के प्रयासों का लाभ समय पर जनता तक पहुंच सके।

शौर्य संकल्प योजना सेना भर्ती प्रशिक्षण के लिए बालक-बालिकाओं की स्क्रीनिंग संपन्न

सतना अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शौर्य संकल्प योजना के अंतर्गत सेना भर्ती प्रशिक्षण हेतु चयन प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में बुधवार को दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में ओबीसी वर्ग की बालिकाओं का फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया। स्क्रीनिंग के दौरान डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, जिला खेल अधिकारी सुश्री रितिका दुबे, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग के.के. शुक्ला, खेल अधिकारी एस.पी. तिवारी, सैनिक कल्याण कार्यालय के इंद्र कुमार सिंह एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के संदीप शुक्ला उपस्थित रहे। प्रथम दिवस मंगलवार को आयोजित बालकों की फिजिकल स्क्रीनिंग में 165 युवाओं ने भाग लिया था, जिनमें से 100 युवाओं का चयन निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए किया गया। इसी प्रकार दूसरे दिन बुधवार को आयोजित बालिकाओं की स्क्रीनिंग में 120 बालिकाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें से 100 बालिकाओं को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया। शौर्य संकल्प योजना के तहत ओबीसी वर्ग के 100-100 बालक एवं बालिकाओं को सेना भर्ती की तैयारी के लिए निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। बालिकाओं का प्रशिक्षण कन्या शिक्षा परिसर सतना तथा बालकों का प्रशिक्षण पिछड़ा वर्ग बालक छात्रावास स्थित परिसर में 15 मई से प्रारंभ होगा।

रीवा-सीधी-सिंगरौली रेल परियोजना की प्रगति की कमिश्नर ने की समीक्षा, समन्वय से कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

सीधी रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने महत्वाकांक्षी रीवा-सीधी-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र की कनेक्टिविटी, विकास और आर्थिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी संबंधित विभाग प्राथमिकता के साथ समन्वित प्रयास करें। समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने परियोजना के विभिन्न चरणों, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि परियोजना में अब तक अच्छा कार्य हुआ है और संबंधित एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन शेष कार्यों को भी निर्धारित गति से पूर्ण करना आवश्यक है ताकि परियोजना का लाभ आमजन को समय पर मिल सके।

कमिश्नर बीएस जामोद ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भू-अर्जन के जो भी प्रकरण लंबित हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण कराया जाए, ताकि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ समाधान किया जाए तथा प्रभावित पक्षों के साथ समुचित संवाद बनाए रखा जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपसी समन्वय से कार्य करना ही बड़ी परियोजनाओं की सफलता का आधार है। रेलवे, राजस्व प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रक्रियाओं को गति दी जाए, ताकि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी कारण से कार्य प्रभावित न हो।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

सर्वजनिक सड़को पर भारी वाहनो के संबंध में निर्देश. समय सीमा में पार्किंग स्टैड की वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करे

सिंगरौली जिले की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं सड़क दुर्घअनाओं में कमी लाने हेतु कलेक्टर श्री गौरव बैनल की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री शियाज केण्एमण् की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने स?क सुरक्षा को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की ही नहींए बल्कि जिले में स्थापित औद्योगिक कंपनियों सहित परिवहन कार्य में संलग्न ट्रांसपोर्टरों की भी है।बैठक के दौरान कहा कि कोल परिवहन करने वाले वाहन अधिकांशतः स?क के दोनों किनारों पर खड़े रहते हैंए जिससे स?क दुर्घटनाओं की संभावना हर समय बनी रहती है। इस पर कलेक्टर नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए कि भारी वाहनों को सार्वजनिक स?कों पर पार्क न किया जाएए बल्कि कंपनियों द्वारा निजी स्थलों का चयन कर भारी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाए।बैठक के दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि ऐसे मार्गए जिन पर अतिक्रमण किया गया हैए संबंधित क्षेत्रों का राजस्व एवं पुलिस अमला आपसी समन्वय बनाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे तथा शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। वही माइनिंग अधिकारी को भी निर्देश दिए गए कि निरीक्षण कर यह देखा जाए कि किन औद्योगिक कंपनियों से संबंधित भारी वाहन सार्वजनिक स?कों के किनारे खड़े रहते हैं। उनकी सूची तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।बैठक के दौरान पुलिस विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में सिंगरौली जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 11 प्रतिशत की कमी आई है।

कार्यालय, नगर परिषद बरगवाँ, जिला–सिंगरौली (म.प्र.)

Office of Nagar Parishad Bargawan Distt-Singrauli (M.P.)

e-mail- cmobargawansingrauli@mpurban.gov.in

क्रमांक/2440/न.प./2026 — बरगवाँ, दिनांक– 12/05/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाइन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_504747_1 दिनांक– 13/05/2026	वार्ड क्रमांक 14 मे पप्पू चौरहा से आगनवाडी [illegible] बॉर्डर तक सी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	04 माह 29.43 लाख	5000 22800	13.06.2026
2	2026_UAD_504747_2 दिनांक– 13/05/2026	वार्ड क्रमांक 11 मे [illegible] बैगा के घर से [illegible] बैगा और [illegible] बैगा के घर तक सी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	04 माह 26.32 लाख	5000 19700	13.06.2026
3	2026_UAD_504747_3 दिनांक– 13/05/2026	वार्ड क्रमांक 07 मे [illegible] के घर से [illegible] के घर([illegible] रोड) तक सी.सी. के ऊपर बी.टी. रोड और बी.टी. सड़क निर्माण कार्य [illegible]	04 माह 51.37 लाख	10000 38500	13.06.2026
4	2026_UAD_504747_4 दिनांक– 13/05/2026	वार्ड क्रमांक 04 मे रेलवे साईड से [illegible] बैगा के घर तक बी.टी. सड़क रोड निर्माण कार्य।	04 माह 57.27 लाख	10000 43000	13.06.2026

नोट– निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बरगवाँ जिला-सिंगरौली (म.प्र.)

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
- कालिदास

भारतीय अर्थ व्यवस्था का महासंकट

भारतीय अर्थ व्यवस्था को लेकर सरकार लगातार तेज विकास, बढ़ते बुनियादी ढांचे और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा करती रही है। अब इस दावे की पोल खुलती चली जा रही है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरुण कुमार ने भारत की अर्थव्यवस्था में आने वाले महा संकट का संकेत किया है, उन्होंने सरकार के चमकदार दावों के पीछे छिपी सच्चाई को उजागर किया है। उनका मानना है, भारत की अर्थव्यवस्था दो हिस्सों में बंट चुकी है। एक संगठित क्षेत्र, जो कॉरपोरेट और शेयर बाजार की वृद्धि को अर्थव्यवस्था में दिखाता है, दूसरा असंगठित क्षेत्र, जहां देश की लगभग 94 प्रतिशत कार्यशक्ति काम करती है, जो लगातार संकट में है। उसकी वास्तविकता सरकार उजागर नहीं करती है। प्रो. अरुण कुमार के अनुसार सबसे बड़ा संकट च्मांग मे कमीज्ज् आने का है। जब आम लोगों की आय घटती है, रोजगार कम होता है, उस समय सबसे पहले ग्रामीण अर्थव्यवस्था और असंगठित क्षेत्र कमजोर होता है। बाजार में मांग घटती है। इसका सीधा असर उद्योगों के उत्पादन, कारोबार और निवेश पर पड़ता है। यही कारण है कि ऊंची जीडीपी वृद्धि के बावजूद देश मे रोजगार का सृजन नहीं हो रहा। उल्टे नौकरियां जा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत में बढ़ती बेरोजगारी और असमानता को लेकर कई वर्षों से चिंता जताई जा रही है। अर्थशास्त्री नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी के बाद असंगठित क्षेत्र को जो नुकसान हुआ है उसके बारे में कई बार अपनी चिंता पिछले वर्षों में व्यक्त कर चुके हैं। सरकार ने इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया। छोटे व्यापारी, कुटीर उद्योग, किसान और दिहाड़ी मजदूर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। प्रो. अरुण कुमार का दावा है, सरकारी आंकड़े इस वास्तविक स्थिति को छुपाने का काम करते हैं। आंकड़ों को बदल देते हैं। सही मायने में कहा जाए तो सरकार आंख बंद करके जीडीपी और अर्थव्यवस्था को बेहतर बताकर अपनी पीठ थपथपाने में लगी हुई है। सरकार ने जीडीपी मापन की वर्तमान प्रणाली में असंगठित क्षेत्र की गिरावट को सही ढंग से वास्तविक स्थिति को शामिल नहीं किया है। जिसके कारण देश की आर्थिक स्थिति कागजों में कुछ और है, और वास्तविक स्थिति कुछ और है। वर्तमान स्थिति यह है, शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। अर्थव्यवस्था में जो बदलाव आए हैं उसके कारण भारत सहित वैश्विक स्तर पर लोगों की नौकरियां जा रही हैं। भारत के लगभग 80 करोड लोग मुफ्त राशन पर निर्भर हैं। भारत की अर्थव्यवस्था वास्तव में मजबूत होती, तो रोजगार और लोगों की आय में यह परिवर्तन दिखाई देता। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्र की जो मांग पहले बढ़ रही थी, अब तेजी के साथ घट रही है। महंगाई और आय नहीं होने से मांग में निरंतर कमी आ रही है। युवाओं में बेरोजगारी और कृषि संकट भारत के तथाकथित विकास मॉडल और अर्थव्यवस्था को उजागर कर रहे हैं। अरुण कुमार सहित कई अर्थशास्त्रियों ने लगातार चिंता व्यक्त की है। मांग आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत नहीं किया गया, तो भारत च्स्टैगफ्लेशनज्ज् जैसी स्थिति में फंस सकता है। इस स्थिति में विकास धीमा होता है, महंगाई लगातार बढ़ती है। जिसके कारण आम आदमी का जीवन दूभर होता है। इस संकट का समाधान बड़े एक्सप्रेस-वे, कॉरिडोर और पूंजी-प्रधान परियोजनाओं से पूरा नहीं हो सकता है। आवश्यकता है, सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, छोटे उद्योग और रोजगार सृजन पर अधिक से अधिक निवेश करे। असंगठित एवं ग्रामीण क्षेत्र की आय बढ़ाने, असंगठित क्षेत्र को ऋण राहत देने तथा श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक आम नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी। तब तक आर्थिक विकास केवल कागजी उपलब्धि बनी रहेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था एक निर्णायक मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। यदि नीति-निर्माताओं और सरकार ने आंकड़ों में हेरा-फेरी करके वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज किया, तो आने वाला संकट और गहरा हो सकता है। अरुण कुमार की चेतावनी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में आर्थिक असंतुलन जिस तेजी के साथ बढ़ रहा है। समय रहते सरकार को समझना होगा। सरकार ने यदि अपनी आर्थिक नीतियों में जल्द ही परिवर्तन नहीं किया तो इसके दुष्परिणाम बहुत भयानक हो सकते हैं। अमेरिका में जो 2008 में मंदी आई थी उससे भी ज्यादा खतरनाक स्थिति भारत की हो सकती है।

नीट पेपर लीक- शिक्षा व्यवस्था पर कलंक, टूटते सपने और व्यवस्था की भयावह विफलता

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल एक परीक्षा नहीं होतीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य, परिवारों की उम्मीदों और वर्षों की मेहनत का परिणाम होती हैं। मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। कई छात्र गांवों की कठिन परिस्थितियों से निकलकर, आर्थिक अभाव झेलकर और मानसिक दबाव सहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे में जब नीटजैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और करोड़ों की डील का खुलासा होता है, तो यह केवल एक परीक्षा घोटाला नहीं रह जाता, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न बन जाता है।

भारत पहले भी कई बड़े पेपर लीक घोटाले देख चुका है। उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा, रेलवे भर्ती परीक्षा, राजस्थान शिक्षक भर्ती, मध्यप्रदेश व्यापमं घोटाला और 2024 के नीट विवाद ने पहले ही युवाओं का भरोसा कमजोर कर दिया था। 2024 में बिहार और झारखंड में पेपर लीक के आरोप सामने आए थे। कई गिरफ्तारियां हुई, लेकिन तब भी पूरी परीक्षा रद्द नहीं हुई। छात्रों के मन में यह सवाल रह गया कि क्या मेहनत का कोई मूल्य बचा है? अब 2026 में फिर वही कहानी सामने आई है, लेकिन इस बार मामला और भी गंभीर दिखाई देता है। नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के पीछे बिहार और राजस्थान से सामने आए खुलासों ने पूरे देश को झकझोर दिया। बिहार के नालंदा में पुलिस ने जिस सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ किया, उसने यह साबित कर दिया कि परीक्षा माफिया कितनी गहराई तक अपनी जड़ें जमा चुका है। 50 से 60 लाख रुपये में एक सीट की डील होना केवल अपराध नहीं, बल्कि शिक्षा के व्यवसायीकरण का भयावह चेहरा है। यह गिरोह असली अभ्यर्थियों की जगह सॉल्वर बैठाने की तैयारी कर रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसका मास्टरमाइंड एक मेडिकल कॉलेज का छात्र निकला। जिस युवा को भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचानी थी, वही शिक्षा व्यवस्था को संक्रमित करने में लगा था।

राजस्थान में सामने आए च्हाथ से लिखे गेस पेपरज्ज् ने इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया। जांच में पता चला कि परीक्षा से पहले छात्रों तक ऐसे प्रश्न पहुंच चुके थे, जिनमें से बड़ी संख्या असली परीक्षा में आई। यदि यह केवल संयोग माना जाए, तब भी इतने बड़े स्तर पर सवालों का मिलान होना सामान्य नहीं कहा जा सकता। इससे यह आशंका और मजबूत हो जाती है कि परीक्षा प्रणाली के भीतर कहीं न कहीं गंभीर सेंध लगी है।

सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों छात्रों का हुआ है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की थी। करोड़ों परिवारों ने अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए जमीन बेची, कर्ज लिया और अपनी जरूरतों को त्याग दिया। कई छात्र दिन में 12-14 घंटे पढ़ाई करते हैं। वे सामाजिक जीवन छोड़ देते हैं, मनोरंजन छोड़ देते हैं और केवल एक लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तो उनकी महीनों की मेहनत और मानसिक संतुलन दोनों पर गहरा आघात पड़ता है।

एक छात्र की मानसिक स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी पहले ही तनाव, चिंता और भय से भरी होती है। छात्र लगातार तुलना, प्रतियोगिता और असफलता के डर में जीते हैं। जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो उनके भीतर यह भावना जन्म लेती है कि मेहनत से ज्यादा महत्व पैसे और पहुंच का है। यह भावना युवाओं को भीतर से तोड़ देती है। कई छात्र अवसाद में चले जाते हैं। कुछ खुद को असफल मानने लगते हैं। कई बार यही मानसिक दबाव आत्मघाती विचारों तक पहुंच जाता है।

2020 में मध्यप्रदेश की छात्रा विधि सूर्यवंशी का मामला आज भी लोगों को झकझोरता है। गलत रिजल्ट आने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी, जबकि बाद में ओएमआर जांच में उसके अंक कहीं अधिक निकले। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि परीक्षा संबंधी त्रुटियां केवल तकनीकी गलती नहीं होतीं, बल्कि किसी परिवार के जीवन का विनाश बन सकती हैं। जब एक छात्र वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर पाता, तो यह केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि राष्ट्रीय असफलता है। नीट परीक्षा रद्द होने से प्रशासनिक और आर्थिक नुकसान भी बहुत बड़ा हुआ है। देशभर में लाखों छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन, प्रश्नपत्र छपाई, निगरानी, तकनीकी प्रबंधन और कर्मचारियों की तैनाती पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। अब दोबारा परीक्षा कराने में फिर उतना ही खर्च होगा। यह पैसा आखिरकार जनता के टैक्स से आता है। यानी भ्रष्टाचार और लापरवाही का बोझ अंततः देश की जनता ही उठाती है।

इतने बड़े स्तर पर परीक्षा आयोजित होने के बावजूद यदि पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और फर्जीवाड़ा रोका नहीं जा सका, तो यह हमारी प्रशासनिक निगरानी की गंभीर विफलता को दर्शाता है। प्रश्न यह उठता है कि जब डिजिटल निगरानी, बायोमेट्रिक सिस्टम और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक साधन मौजूद हैं, तब भी परीक्षा माफिया इतनी आसानी से सक्रिय कैसे हो जाते हैं? क्या व्यवस्था के भीतर कहीं मिलीभगत है?

गाली जब स्वैग बन जाए, तो समझिए समाज अभद्र हो चला है

(14 मई राष्ट्रीय शालीनता दिवस)

आज 14 मई है। कैलेंडर कहता है कि आज राष्ट्रीय शालीनता दिवस है। सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है कि क्या अब शालीन रहने के लिए भी कोई खास दिन तय करना पड़ेगा? लेकिन अपने आसपास की डिजिटल दुनिया, सोशल मीडिया के कमेंट बॉक्स और टीवी बहसों नेताओं के भाषण या आसपास के शोर को देखिए, तो अहसास होगा कि शायद आज के दौर में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। हम तरक्की तो बहुत कर रहे हैं, चांद पर पहुंच रहे हैं, लेकिन हमारी जुबान और व्यवहार से तमीज का रंग उतरता जा रहा है। खासकर इंटरनेट की दुनिया में तो ऐसा लगता है जैसे बदतमीजी करना ही नया फैशन या कूल दिखने का जरिया बन गया है।

हमारे बुजुर्ग कहते थे कि इंसान की असली पहचान उसके कपड़ों या उसकी दौलत से नहीं, बल्कि उसकी बोली से होती है। शब्द इंसान के भीतर के संस्कारों का आईना होते हैं। लेकिन आज की हकीकत कुछ और ही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने हमें एक नकाब दे दिया है। मोबाइल स्क्रीन के पीछे छिपे हम लोग खुद को बहुत बड़ा सूरमा समझने लगे हैं। हम वो बातें बड़ी आसानी से लिख देते हैं, जो शायद किसी के सामने खड़े होकर कहने की हिम्मत न हो। अगर किसी की बात हमें पसंद नहीं आती, तो हम उसे अपनी बात तर्क से समझाने के बजाय सीधा गाली-गलौज पर उतर आते हैं। उसे नीचा दिखाने के लिए उसके परिवार को बीच में ले आते हैं या उसे कोई नफरत भरा टैग दे देते हैं। यह जो ट्रोल कल्चर बढ़ रहा है, उसने हमारे समाज से संवाद की मिठास को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि अब अपशब्द बोलना एक तरह की बहादुरी मान लिया गया है। इसमें बहुत बड़ा हाथ हमारी आज की लोकप्रिय संस्कृति का भी है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आने वाली वेब सीरीज हो या स्टैंड-अप कॉमेडी, वहां गालियों को संवाद का जरूरी हिस्सा बना दिया गया है। जब बड़े पर्दे पर या मोबाइल स्क्रीन पर नामी सितारे गाली देते हैं, तो हमारे घर के बच्चों को लगता है कि शायद यही आज की आधुनिक भाषा है। उन्हें लगता है कि तमीज और अदब से बात करना तो पुराने जमाने के लोगों का काम है। नतीजा यह है कि आज का युवा वर्ग अपनी बात में वजन पैदा करने के लिए तर्कों का नहीं, बल्कि अभद्र शब्दों का सहारा ले रहा है। उन्हें लगता है कि जो जितना तीखा और गंदा बोलेगा, वह उतना ही प्रभावशाली दिखेगा। सिर्फ सोशल मीडिया ही क्यों, हमारी टीवी बहसों को देख लीजिए। वहां जो प्रवक्ता जितनी जोर से चिल्लाता है और दूसरे को बोलने से रोकता है, उसे ही दमदार मान लिया जाता है। हमने एक ऐसी धारणा बना ली है कि जो विनम्र है, वो कमजोर है और जो बदतमीज है, वो ताकतवर। जबकि सच तो यह है कि चिल्लाने के लिए सिर्फ फेफड़ों का शोर चाहिए, लेकिन शांत रहकर अपनी बात मजबूती और गरिमा के साथ कहने के लिए बहुत बड़े आत्म-नियंत्रण की जरूरत होती है। शालीनता का मतलब डरना या चुप रहना कतई नहीं है।

हमारे देश के बड़े-बड़े महापुरुषों ने दुनिया बदल दी, सत्ता की चूलें हिला दीं, लेकिन उनकी भाषा में कभी गन्दगी नहीं दिखी। गांधी जी, नेहरू जी, शास्त्री जी या कलाम साहब जैसे लोगों की बातों में वजन था, कड़वाहट नहीं। उनके विरोध में भी एक शालीनता थी, जो सामने वाले को सोचने पर मजबूर कर देती थी।

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिद्रता दूर करने का उपाय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राजा को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए कुढ़ रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा- पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिद्रता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा- हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, गुरुवार, रेवती नक्षत्रे, प्रीत योगे, तैतिल करणे, मेष की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, वट सावित्री तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी?

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, कम्प्यूटर इंजीनियर, ऑपरेटर, कुशल शासक-प्रशासक, योगीभोगी।

मेष राशि :- ईष्ट मित्रों से ईर्ष्या रहेगी, सुख का कार्य होगा, व्यवसाय गति उत्तम होवेगी।
वृष राशि :- अचानक शुभ समाचार प्राप्त होगा, धन की प्राप्ति होगी, संवेदनशील होंगे।
मिथुन राशि :- क्रोध से अशांति-तनाव, झगड़े से बचें, अर्थ-व्यवस्था कुछ अनुकूल ही बनेगी।
कर्क राशि :- कार्य-कुशलता से सहयोग, स्त्री से हर्ष तथा भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।
सिंह राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, कुटुम्ब की समस्याऐं अवश्य ही सुलझ जाएंगी।
कन्या राशि :- व्यर्थ व्यय, असमंजस और अस्थिरता का वातावरण हीन भावना करे।
तुला राशि :- अधिकारियों का समर्थन विफल हो, कार्य-व्यवसाय गति अनुकूल हो।
वृश्चिक राशि :- समय की अनुकूलता से लाभान्वित हों, कार्य-कुशलता से अनुकूलता बनेगी।
धनु राशि :- व्यवसाय गति उत्तम, भाग्य साथ देगा, बिगड़े कार्य सुधर जाएंगे।
मकर राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, स्वास्थ्य नरम रहे, स्थिति में सुधार होगा।
कुंभ राशि :- स्त्री शरीर सुख, मानसिक बेचैनी से बचिये, कार्यगति अनुकूल अवश्य बने।
मीन राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बने।

विद्या मंदिरों में लगते ताले

देश के लगभग 21 लाख छात्रों का भविष्य पिछले दिनों उस समय फिर दांव पर लग गया जबकि नीट अर्थात नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट की राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा, पेपर लीक हो जाने के कारण रद्द कर दी गयी। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस मामले में स्वयं को ज़िम्मेदार मानते हुये परीक्षा रद्द करने की घोषणा की। पेपर लीक होने के चलते देश में पहले भी नीट परीक्षाएं रद्द हो चुकी हैं। इसके लिए ज़िम्मेदार कोई भी हो परन्तु इससे सबसे बड़ा नुक़सान उस मेहनतकश विद्यार्थी को हुआ है जिसने दिन रात एक कर परीक्षा दी और परीक्षा के परिणाम सुनने के बजाये उन्हें परीक्षा के रद्द होने जैसी मनहूस खबर सुनाई दी। इस घटना के बाद एक बार फिर हमारे देश की विद्या यहाँ के विद्यार्थियों तथा विद्यालयों के भविष्य को लेकर चर्चा छिड़ गयी है। एक तरफ़ तो नीट परीक्षा देने वाले जीव विज्ञान,वनस्पति विज्ञान,प्राणी विज्ञान,रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के ये छात्र जो भविष्य में डॉक्टर,वैज्ञानिक,इंजीनियर आदि बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं,उनका भविष्य अधर में लटका दिखाई दे रहा है। तो दूसरी तरफ़ शिक्षा को लेकर सरकार का एजेंडा व उसकी प्राथमिकतायें भी कुछ और ही नज़र आ रही हैं।

आज देश के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में अब भारतीय ज्ञान प्रणाली के नाम पर धर्म,अध्यात्म,कर्म काण्ड व पंडितों की शिक्षा दी जाने लगी है। यहाँ सरकारी और कुछ निजी स्कूलों में हिंदू धर्म, अध्यात्म, नैतिक मूल्यों, भारतीय ज्ञान प्रणाली और संबंधित ग्रंथों (जैसे भगवद्गीता, रामायण, वेद) की शिक्षा दी जा रही है और इससे संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत,मूल्य-आधारित शिक्षा, नैतिकता और सांस्कृतिक जागरूकता के नाम पर हो रहा है। हालांकि भारतीय संविधान (अनुच्छेद 28) सरकारी फ़ंड वाले स्कूलों में धार्मिक शिक्षा पर रोक लगाता है, लेकिन धर्मों के बारे में शिक्षा की अनुमति है जिसे आधार बनाकर धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित व अन्य हिंदू संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों में यह पहले से अधिक प्रचलित है। शिक्षा को लेकर हमारा देश इस समय एक ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण दौर से गुज़र रहा है जबकि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे अनेक लोगों की शिक्षा, उनकी डिग्रियां असली हैं या नक़ली, विधान निर्माता शिक्षित है या अशिक्षित,इसतरह के सवाल उठ रहे हैं। उधर उच्च शिक्षा हासिल करने के लिये संपन्न लोग अपने बच्चों को पहले भी विदेश भेजा करते थे और आज भी भेजते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री स्व डॉ मनमोहन सिंह ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स डिग्री हासिल की थी और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय से 1962 में डी.फ़िल. की उपाधि ग्रहण की थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू व राजीव गाँधी भी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,ज्योतिरादित्य सिंधिया,राहुल गांधी,जयराम रमेश ,पी. चिदंबरम,कपिल सिब्बल,सुब्रमण्यम स्वामी,जयंत सिन्हा,रतन टाटा, आनंद महिंद्रा जैसे अनेकानेक राजनेता उद्योगपति व प्रतिष्ठित लोग हारवर्ड,कैम्ब्रिज,ऑक्सफोर्ड या अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

परन्तु हमारे प्रधानमंत्री की नज़रों में शायद इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों या यहाँ की पढ़ाई की उतनी अहमियत नहीं। तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि एक तरफ़ वे लोग हैं जो हार्वर्ड की बात करते हैं, और दूसरी तरफ़ एक ग़रीब का बेटा है, जो अपनी कड़ी मेहनत (।।ड्ड्रह्म्स 2शह्म्द्म) से अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने तमिलनाडु में एक सभा में कहा था कि देश को विकास के लिए हार्वर्ड की नहीं, हार्ड वर्क की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री के अनुसार हार्वर्ड वालों से ज़्यादा दम हार्ड वर्क वालों में है। ज़रा सोचिये कि क्या पढ़ाई करना हार्ड वर्क की श्रेणी में नहीं आता ? जो बच्चा परीक्षा की तैयारी के लिये दिन रात एक किये रहता है,खाना पीना नींद आराम सब कुछ छोड़कर रोज़ 16 -18 घण्टे पढ़ाई करता है वह क्या हार्ड वर्क नहीं है ?

निश्चित रूप से शिक्षा के प्रति शीर्ष सत्ता के इसी मनोभाव की वजह से ही आज देश के विद्या मंदिरों पर घोर संकट छाया हुआ है। विगत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। यह कुल सरकारी स्कूलों में लगभग 8त्न की कमी है। आज दुर्भाग्यवश देश में सरकारी स्कूल्स की संख्या बढ़ने के बजाये 11.07 लाख से घटकर क़रीब 10.17 लाख हो गयी है। जबकि शुद्ध व्यवसायिक मॉडल वाले मंहगे निजी स्कूलों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। ग़ौरतलब है कि देश के सरकारी स्कूल्स में प्रायः साधारण परिवारों या ग़रीबों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं जिनमें अधिकांश संख्या एस सी ,एस टी,ओ बी सी व अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की होती है। इनमें ज़्यादातर बच्चे किसानों,कामगारों व मेहनतकश मज़दूरों के होते हैं जो वास्तव में शिक्षा के हक़दार भी हैं और शिक्षा उनके भविष्य व जीविकोपार्जन के लिये बेहद ज़रूरी भी है। परन्तु सरकार की विद्या व विद्यालय विरोधी नीतियों के चलते देश में अब तक लगभग 65 लाख बच्चे स्कूल जाना छोड़ चुके हैं।

सरकार द्वारा इस संबंध में यह तर्क दिया जाता है कि छात्रों की अपेक्षित संख्या न होने,संसाधन बचाने और बेहतर शिक्षा के कारण,इंफ्रास्ट्रक्चर व अध्यापकों की कमी या पोस्ट-कोविड प्रभाव कारण अनेक विद्यालयों का विलय पास पड़ोस के गांव में कर दिया गया है। जबकि उनकी दूरी 2 किलोमीटर से 8 किलोमीटर तक है। इतनी दूर बच्चों के स्कूल जाने के लिये न तो सरकार ने कोई उपाय किया है न ही अभिभावकों के पास कोई सामर्थ्य है। ख़ासकर अपनी बच्चियों को वैसे भी कोई मां बाप इतनी दूर के स्कूल नहीं भेजना चाहेगा। ऐसे में इस शिक्षा विरोधी सरकारी नीति के चलते बच्चों के अंधकारमय भविष्य का कौन ज़िम्मेदार है? ज़ाहिर है जब यह प्राथमिक शिक्षा ही हासिल नहीं कर सकेंगे तो यह भला हार्वर्ड कैसे जा सकेंगे। और ऐसे में इन्हें प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार हार्ड वर्क यानी मेहनत मज़दूरी करके ही अपना जीवन यापन करना पड़ेगा।

उधर दावा यह भी है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। कुछ अति उत्साही लोग तो कह रहे हैं कि भारत विश्व गुरु बन चुका है। परन्तु लगता है कि वर्तमान सरकार केरल की औसत शिक्षा दर से डरी हुई है ? शायद यह समझ रही है कि आज जो बच्चा पढ़ेगा वही कल सत्ता से सवाल करेगा,अपनी शिक्षित बुद्धि का इस्तेमाल करेगा,तर्क वितर्क करेगा और कुतर्कों के झांसे में नहीं आएगा,अन्धविश्वास विरुद्ध अपनी आवाज़ बुलंद करेगा। शायद इसी वजह से देश के विद्या मंदिरों में ताले लगते जा रहे हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7202

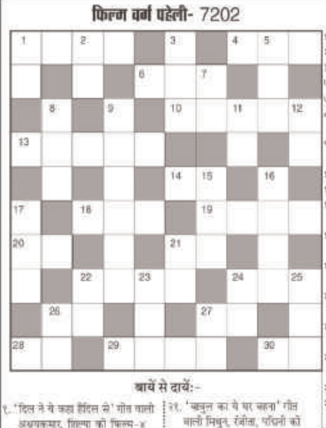

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'छाछे तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्षी' की नायिका कौन है-२
२१. 'काबुल का ये घर जाना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेलें' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीली इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ ज़िंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खामख्वाह बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथुन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१. राकेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, ऑंगिता वाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7201

Jagrukkhabar.com, Bangalore

अमेरिका-चीन जी2 राजनीति से वैश्विक ध्रुवीकरण की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग दौरे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी प्रस्तावित शिखर वार्ता ने वैश्विक राजनीति में 'जी2' यानी अमेरिका-चीन के साझा प्रभुत्व की बहस को फिर से गरमा किया है। इस दो दिवसीय दौरे को मात्र एक राजनयिक भेंट नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन के एक अहम संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हाल के महीनों में कई अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर चीन की संयमित प्रतिक्रिया ने इस बहस को और हवा दी है। वेनेजुएला विवाद और ईरान युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चीन ने खुलकर अमेरिका का विरोध करने से परहेज किया है।

अमेरिका हर हाल में जीतेगा जंग, चीन रवाना होने से पहले बोले ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी जंग अमेरिका हर हाल में जीतेगा। चीन रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के पास हालात संभालने के लिए हर विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत में ईरान युद्ध और होर्मुज संकट पर भी चर्चा करेंगे। हालांकि, व्यापार बैठक का मुख्य मुद्दा रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह रकम सिर्फ हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च हुई है।

श्रीलंका में डेंगू का कहर बढ़ा, जनवरी से अब तक 14 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में डेंगू का कहर बढ़ता ही जा रहा है। जनवरी 2026 से अब तक इस संक्रमण से 14 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 27,754 मामले दर्ज किए गए हैं। श्रीलंका के स्वास्थ्य महकमे का कहना है कि देश के सभी 25 जिलों से संक्रमण रिपोर्ट हो रही हैं। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई ने बताया कि 2025 की तुलना में संख्या बढ़ी है। सबसे ज्यादा संक्रमण पश्चिमी प्रांत में हैं, जबकि मातारा, गाले, रत्नापुरा, कालुतारा और कैंडी में भी 2026 के पहले चार महीनों में बड़ी संख्या में लोग इससे पीड़ित हुए। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई की सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञ प्रिस्किला समरवीरा ने कहा कि मानसून की बारिश से संक्रमण और फैल सकता है।

कुवैत का दावा- ईरान ने चीन समर्थित अहम पोर्ट को निशाना बनाया

कुवैत। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, कुवैत ने ईरान पर एक बड़ा आरोप लगाया है। कुवैत का दावा है कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े लोगों ने चीन की मदद से बन रहे महत्वपूर्ण पोर्ट प्रोजेक्ट को टारगेट करने की कोशिश की। यह घटना 1 मई को फारस की खाड़ी में स्थित बुबियान आइलैंड पर हुई, जहां मुबारक अल कबीर पोर्ट का निर्माण हो रहा है। यह पोर्ट चीन की वैश्विक बेल्ट एंड रोड पहल का हिस्सा है।

ट्रंप के दौरे से पहले चीन ने अमेरिका को दी कड़ी चेतावनी

हमारी 4 रेडलाइन को चुनौती मत देना

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बहुप्रतीक्षित चीन दौरे पर बीजिंग पहुंच गए हैं, जिस पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। ईरान संकट के बीच यह यात्रा न केवल तात्कालिक मुद्दों को संबोधित करेगी, बल्कि आने वाले कई सालों तक अमेरिका-चीन संबंधों की नींव भी रखेगी। ट्रंप के साथ अमेरिकी कारोबारियों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी चीन जा रहा है। यात्रा से ठीक पहले, चीन ने अमेरिका को एक स्पष्ट चेतावनी देकर अपनी चार रेडलाइन बता दी हैं, जिन्हें चुनौती न देने को कहा गया है।

चीन के अमेरिकी दूतावास ने इन चार रेडलाइन का विस्तृत ब्यौरा दिया है। पहली और सबसे महत्वपूर्ण रेडलाइन ताइवान का मुद्दा है। चीन दृढ़ता से कहता है कि ताइवान उसका अभिन्न अंग है और जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक भी उस पर कब्जा करने से पीछे नहीं हटेगा। यह स्थिति इसलिए संवेदनशील है क्योंकि ताइवान की अमेरिका के साथ रक्षा संधि है, और जापान व फिलीपींस जैसे अमेरिकी सहयोगी देश चीनी दावे को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं।

दूसरी रेडलाइन लोकतंत्र और मानवाधिकारों से जुड़ी है। अमेरिका अक्सर चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, विशेषकर उइगुर बहुल शिनजियांग प्रांत में दमनकारी नीतियों को लेकर आरोप लगाता रहता है। तीसरी रेडलाइन चीन की एकल-पार्टी कम्युनिस्ट राजनीतिक व्यवस्था है, जबकि चौथी और अंतिम रेडलाइन चीन के विकास के अधिकार से जुड़ी है। चीन ने साफ किया है कि इन चारों को किसी भी कीमत पर चुनौती नहीं दी जानी चाहिए।

दूसरी ओर, चीन रवाना होने से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग के साथ अपने संबंधों की जमकर तारीफ की। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि यह यात्रा व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और ईरान संकट जैसे अहम वैश्विक मुद्दों पर बेहतरीन बातचीत का मंच बनेगी। व्हाइट हाउस से प्रस्थान करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतें हैं और उनके द्विपक्षीय संबंध मजबूत और स्थिर हैं। ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे रिश्ते शानदार हैं, और हम हमेशा अच्छी तरह साथ रहे हैं। चीन के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि शिखर वार्ता में व्यापार सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। ट्रंप ने इसका खुलासा किया कि जिनपिंग इस साल के अंत तक अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। ईरान संकट पर चीन की संभावित भूमिका का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि यदि शी जिनपिंग इस मामले में मदद करते हैं, तो उसका स्वागत होगा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अमेरिका स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर रहा है और ईरान सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका-चीन आर्थिक संबंधों को दोनों देशों के लिए फायदेमंद बताया। उन्होंने कहा, हम चीन के साथ बहुत बड़ा व्यापार करते हैं।

ईरान संकट में फंसा पाकिस्तान: अमेरिका का अविश्वास, चीन का समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव में मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान अब खुद मुश्किल कूटनीतिक स्थिति में फंस गया है। उस पर ईरान को गुप्त समर्थन देने के आरोप लगे हैं, इसकारण इस्लामाबाद अब चीन और अमेरिका की डिप्लोमेसी के बीच फंसता दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने कथित तौर पर ईरानी सैन्य विमानों को अपने नूर खान एयरबेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी, ताकि वे संभावित अमेरिकी हमलों से बच सकें। हालांकि, पाकिस्तान ने इन दावों को भ्रामक और सनसनीखेज बताकर खारिज किया है। लेकिन इस मुद्दे ने अमेरिकी राजनीति में हलचल मचा दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने खुले तौर पर पाकिस्तान पर अविश्वास जाहिर किया है। उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से सीधे सवाल किया कि अगर पाकिस्तान सच में ईरानी विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दे रहा है, तब क्या पाकिस्तान को एक निष्पक्ष मध्यस्थ माना जा सकता है। ग्राहम ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं और शायद इसी वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही। हेगसेथ ने इस पर सीधा जवाब देने से परहेज किया, लेकिन ग्राहम ने वॉशिंगटन में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर गंभीर संदेह पैदा होने की बात साफ कर दी। दूसरी ओर, चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता दिख रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों की तारीफ कर कहा कि बीजिंग उसके क्षेत्रीय शांति बहाल करने के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। चीन की यह दिलचस्पी होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव से उपजी है, जो ईरानी तेल के बड़े खरीदार चीन की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करता है। ऐसे में बीजिंग चाहता है कि हालात काबू में रहें और तेल सप्लाई सामान्य हो सके। उधर, पाकिस्तान खुद को एक जिम्मेदार मध्यस्थ के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहा है, जिसका कहना है कि उसने सिर्फ कूटनीतिक और प्रशासनिक सहयोग दिया था ताकि वार्ता प्रक्रिया चल सके। लेकिन अमेरिका में उठते सवालों ने उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अब पाकिस्तान ऐसे नाजुक हालात में फंस गया है,।

पाकिस्तान के कारनामे से अमेरिका में हड़कंप

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पाकिस्तान का दोहरा चेहरा एक बार फिर दुनिया के सामने आ गया है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण तनाव के बीच यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान ने तेहरान की गुप्त रूप से मदद की है। सैटेलाइट तस्वीरों और अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के हवाले से यह दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने ईरान के फाइटर जेट्स को अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने नूर खान एयरबेस पर छिपा कर रखा। इस खुलासे के बाद वाशिंगटन में हड़कंप मच गया है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

खबरों के मुताबिक, अप्रैल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की थी, उसी के कुछ दिनों बाद तेहरान ने अपने कई सैन्य विमान रावलपिंडी के निकट स्थित इस रणनीतिक एयरबेस पर भेज दिए थे। पाकिस्तान, जो इस युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा कर रहा था, वास्तव में पर्दे के पीछे से ईरान का सुरक्षा कवच बना हुआ था। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यह हरकत 55 साल पुराने उस कर्ज को चुकाने की कोशिश है, जो ईरान ने 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान पर किया था। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय ईरान के शाह मोहम्मद रजा पहलवी ने संकट में घिरे पाकिस्तान की खुलकर मदद की थी। उस समय ईरान ने न केवल पाकिस्तान को ईंधन और गोला-बारूद दिया था, बल्कि भारतीय हमलों से बचाने के लिए पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को अपने बेस पर शरण भी दी थी। आज 55 साल बाद इतिहास खुद को दोहरा रहा है, बस भूमिकाएं बदल गई हैं। अब ईरान संकट में है और पाकिस्तान उसे अपने हवाई अड्डों पर जगह देकर पुराना एहसान लौटा रहा है।

हालांकि, आज की भू-राजनीतिक स्थिति 1971 से बिल्कुल अलग है। उस समय अमेरिका खुद ईरान के जरिए पाकिस्तान की मदद कर रहा था, लेकिन आज अमेरिका और ईरान कट्टर दुश्मन हैं। पाकिस्तान का यह कदम अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में बड़ी दरार डाल सकता है।

ब्रिटेन में सियासी भूचाल- पीएम स्टॉर्मर पर कुर्सी छोड़ने का दबाव, मंत्री ने छोड़ा पद

लंदन। ब्रिटेन वर्तमान में एक बड़े राजनीतिक संकट की चपेट में है, जहां प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर पर इस्तीफा देने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। उनकी लेबर सरकार को तब गहरा झटका लगा जब आवास मंत्री मियाटा फानबुले ने पद छोड़ दिया। हालांकि, स्टॉर्मर ने साफ किया है कि वह अपनी कुर्सी नहीं छोड़ने वाले और सरकार का कामकाज जारी रखूंगा। डाउनिंग स्ट्रीट से जारी बयान के अनुसार, स्टॉर्मर ने कैबिनेट बैठक में कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व चुनौती की प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि देश इस अस्थिरता के आर्थिक प्रभावों को महसूस कर रहा है, लेकिन जनता सरकार से काम जारी रखने की उम्मीद करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लेबर पार्टी में नेता को चुनौती देने की एक स्थापित प्रक्रिया है और वह अभी तक सक्रिय नहीं हुई है। इस बीच, हाउसिंग, कम्युनिटीज और लोकल गवर्नमेंट मंत्री फानबुले के इस्तीफे ने संकट और बढ़ा दिया। उन्होंने अपने बयान में आरोप लगाया कि सरकार ने वह गति, विजन और साहस नहीं दिखाया जिसकी जनता को उम्मीद थी। फानबुलेह ने स्टॉर्मर से देश और पार्टी के हित में व्यवस्थित नेतृत्व परिवर्तन की समयसीमा तय करने की अपील करते हुए कहा कि जनता अब उन पर उस बदलाव को लाने का विश्वास नहीं करती जिसका उन्होंने वादा किया था। मंगलवार सुबह डाउनिंग स्ट्रीट पर मंत्रियों और सांसदों की आवाजाही बढ़ गई, जो सरकार के भीतर बढ़ती हलचल का संकेत थी। ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी हेइडी अलेक्जेंडर और ट्रेजरी मंत्री जेम्स मरे जैसे वरिष्ठ मंत्रियों को नंबर 10 पर देखा गया, हालांकि उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की।

कई लेबर सांसदों ने भी सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री से पद छोड़ने की मांग करनी शुरू कर दी है। हालिया चुनावी नतीजों के बाद से लेबर पार्टी के भीतर असंतोष पनप रहा है, जहां कई नेताओं का मानना है कि पार्टी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य- वैश्विक डिजिटल नेटवर्क के लिए बढ़ता खतरा

ईरान की चेतावनी के बाद चिंतित दुनिया

तेहरान। अमेरिका और इजराइल से जारी जंग के बीच ईरानी मीडिया ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के नीचे बिछी समुद्री इंटरनेट केबलें खतरे में पड़ सकती हैं। यदि कई प्रमुख अंडरसी केबलें एक साथ प्रभावित होती हैं, चाहे तकनीकी खराबी के कारण या किसी सुनियोजित कार्रवाई से, तब पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र में इंटरनेट और संचार सेवाओं पर गंभीर असर होगा।

विशेषज्ञ इस मामले को केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक डिजिटल नेटवर्क के लिए एक गंभीर चिंता बता रहे हैं। ईरान की ओर से संकेत दिए गए हैं कि वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाली इन अंडरसी इंटरनेट केबलों के रखरखाव और नियमों पर अपनी निगरानी और पकड़ बढ़ा सकता है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है, जिसे अब तक मुख्य रूप से तेल और गैस आपूर्ति के लिए अहम माना जाता था। हालांकि, डिजिटल युग में इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हुई है, क्योंकि एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व को जोड़ने वाली कई अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट केबलें इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। दरअसल, दुनिया का अधिकांश इंटरनेट डेटा समुद्र के नीचे बिछी फाइबर ऑप्टिक केबलों के जरिए एक देश से दूसरे देश तक पहुंचता है। आम धारणा के विपरीत, इंटरनेट केवल सैटेलाइट पर निर्भर नहीं है। ऑनलाइन बैंकिंग, क्लाउड सेवाएं, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़ा अधिकांश डेटा इन्हीं केबलों के माध्यम से संचालित होता है।

अब वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाएंगे ट्रंप!

ट्रंप कनाडा और ग्रीनलैंड पर पहले नजर रखे हुए हैं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राजनीति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बार फिर उस समय हड़कंप मच गया जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का संकेत दिया। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने एक साक्षात्कार के दौरान इस बात की पुष्टि की है कि वे वेनेजुएला के भविष्य को लेकर इस बड़े कदम पर मंथन कर रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी ट्रंप कनाडा और ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्रों को अमेरिकी संघ में शामिल करने के अपने विचार सार्वजनिक कर चुके हैं, लेकिन वेनेजुएला के संदर्भ में यह बयान मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए अत्यंत संवेदनशील माना जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस विचार के पीछे वेनेजुएला के विशाल प्राकृतिक संसाधनों को मुख्य वजह बताया है। ट्रंप के अनुसार, वेनेजुएला के पास लगभग 40 ट्रिलियन डॉलर का तेल भंडार है, जो अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक शक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वहां की जनता उन्हें पसंद करती है और अमेरिका के साथ जुड़ना उनके हित में होगा। यह घटनाक्रम 3 जनवरी 2026 को अमेरिकी प्रशासन द्वारा वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाए जाने के बाद आया है। उस समय ट्रंप ने स्पष्ट किया था कि अमेरिका अस्थायी रूप से वेनेजुएला का प्रबंधन संभालेगा ताकि एक सुरक्षित और उचित ट्रांजिशन (सत्ता हस्तांतरण) सुनिश्चित किया जा सके।फिलहाल, ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के तेल उद्योग को पुनर्जीवित करने और वहां विदेशी निवेश लाने पर जोर दे रहा है। हालांकि ट्रंप ने स्वयं को आधिकारिक रूप से वहां का प्रशासक घोषित नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पेटे हेगसेथ जैसे शीर्ष अधिकारियों की एक टीम तैनात की है। अमेरिकी प्रशासन वर्तमान में डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ समन्वय कर रहा है, जिन्हें तेल क्षेत्र के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वेनेजुएला के पुनर्निर्माण की अंतिम जिम्मेदारी उन पर है। यदि वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया जाता है, तो यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी भौगोलिक और राजनीतिक घटना होगी।

नेपाल की चीन से बढ़ती नजदीकी: परियोजनाओं पर जोर और कर्ज का खतरा

काठमांडू। काठमांडू और बीजिंग के बीच आर्थिक एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर फिर गतिविधियां तेज हुई हैं, जिससे दोनों देशों के संबंधों में नई गर्माहट आई है। रिपोर्टों के अनुसार, आने वाले महीनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें प्रस्तावित हैं, जिसमें चीन समर्थित परियोजनाओं की प्रगति और अटकी योजनाओं को आगे बढ़ाने पर गहन चर्चा होगी। जून के पहले सप्ताह में काठमांडू में नेपाल-चीन सहयोग कार्यक्रम एवं परियोजना कार्यान्वयन तंत्र की तीसरी बैठक प्रस्तावित है। इसमें चीन द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा होगी और काम में आ रही बाधाओं को दूर करने का प्रयास होगा। इसके अतिरिक्त, नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और नेपाल में चीन के राजदूत झांग माओमिंग के बीच भी द्विपक्षीय बातचीत की उम्मीद है। चीन जिन प्रमुख परियोजनाओं पर नेपाल में काम कर रहा है, उनमें स्याफरुबेसी-रसुवागढ़ी राजमार्ग सुधार, चिलिमे-रसुवागढ़ी-केरुंग ट्रांसमिशन लाइन और नेपाल-चीन सीमा पार रेलवे परियोजना शामिल हैं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत कई अन्य परियोजनाएं भी प्रस्तावित हैं, हालांकि अधिकांश अभी शुरुआती चरण में ही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल की यह सक्रियता केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि रणनीतिक महत्व भी रखती है। भारत के साथ हालिया सीमा विवाद और राजनीतिक तनाव के बीच चीन से नेपाल की बढ़ती नजदीकी को नई दिल्ली के लिए एक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस बढ़ती साझेदारी को लेकर नेपाल के भीतर चिंताएं भी कम नहीं हैं। आलोचकों को डर है कि बड़े पैमाने पर कर्ज आधारित चीनी परियोजनाएं नेपाल को श्रीलंका या पाकिस्तान जैसी ऋण-निर्भर स्थिति में धकेल सकती हैं, खासकर जब देश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, पर्यटन और विदेशों से आने वाली रेमिटेंस पर निर्भर करती है। पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उदाहरण अक्सर दिया जाता है, जिसे चीनी ऋण से विकसित किया गया था लेकिन सीमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के कारण उसका उपयोग अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं दे पा रहा है।

अफगान लोगों को मार रही पाक सेना, अब तक 372 की मौत, सैकड़ों घायल

-संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

जेनेवा। साल के पहले तीन महीनों में तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच सीमा पार झड़प में कम से कम 372 अफगान नागरिक की जान जा चुकी है। 397 लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने मंगलवार को रिपोर्ट जारी की है जिसमें खुलासा किया गया है कि आधे से ज्यादा मौतें काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए हवाई हमलों के कारण हुईं। हाल के सालों में दर्ज की गई सबसे घातक घटनाओं में से एक है। काबुल नशा मुक्ति केंद्र पर हमला सबसे घातक हमलों में शामिल रिपोर्ट है। इसके मुताबिक पुरुषों के हताहत होने की बड़ी संख्या 16 मार्च को काबुल के एक नशा उपचार केंद्र पर हुए हवाई हमलों से जुड़ी थी। इसमें केवल पुरुष रोगियों को भर्ती किया जाता था।रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में कम से कम 269 लोग मारे गए साथ ही 122 घायल हुए हैं। हालांकि इसमें चेतावनी दी कि वास्तविक मरने वालों की संख्या ज्यादा हो सकती है। तीन स्वतंत्र स्रोतों से इसकी पुष्टि गई है। जनवरी से मार्च के दौरान हताहतों के आंकड़े 2011 के बाद से सबसे अधिक आंकड़े हैं। मारे गए लोगों में 13 महिलाएं, 46 बच्चे और 313 पुरुष थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई पीड़ितों की पहचान नहीं की जा सकी क्योंकि उनके शरीर बुरी तरह जल गए थे।

संयुक्त राष्ट्र मिशन ने दोनों पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने और अस्पतालों और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने से बचने का आग्रह किया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसके सैन्य अभियान केवल ÷आतंकवादी और सैन्य बुनियादी ढांचे÷ की ओर निर्देशित थे। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान-पाकिस्तान तनाव बढ़ा 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव लगातार गहराया है।

बीजिंग पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, टिकीं दुनिया की नजरें

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की अत्यंत महत्वपूर्ण और पहली आधिकारिक यात्रा पर आज शाम चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच रहे हैं। वर्ष 2017 के बाद यह ट्रंप का पहला चीन दौरा है, जो एक ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था गहरे संकट के दौर से गुजर रही है। दो दिनों तक चलने वाली इस शिखर वार्ता में ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आमने-सामने की मुलाकात होगी, जिस पर पूरी दुनिया की निगाहें जमी हुई हैं। इससे पहले दोनों दिग्गज नेताओं ने अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में मुलाकात की थी, लेकिन बीजिंग की यह बैठक रणनीतिक लिहाज से कहीं अधिक व्यापक मानी जा रही है।

इस दौरे का सबसे संवेदनशील और प्रमुख मुद्दा ईरान के साथ चल रहा सैन्य संघर्ष है। अमेरिका को उम्मीद है कि चीन ईरान पर अपने कूटनीतिक और आर्थिक प्रभाव का इस्तेमाल कर उसे बातचीत की मेज पर लाएगा। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खुलवाने पर चर्चा केंद्रित रहेगी, क्योंकि यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल व्यापार की जीवनरेखा है। युद्ध के कारण विश्व स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे अमेरिका में घरेलू स्तर पर ट्रंप प्रशासन पर पेट्रोल के दाम कम करने का भारी दबाव है। व्यापार और आर्थिक सहयोग भी इस वार्ता के केंद्र में रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक उच्च स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी चीन पहुंचा है। अमेरिका की प्राथमिकता है कि चीन अमेरिकी कृषि उत्पादों, ऊर्जा संसाधनों और विशेष रूप से बोइंग विमानों की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि करे। हालांकि, ताइवान का मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव की एक स्थायी वजह बना हुआ है। चीन चाहता है कि अमेरिका ताइवान को सैन्य और कूटनीतिक समर्थन देना कम करे, जबकि वाशिंगटन इस क्षेत्र में शांति और यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में है। इसके अतिरिक्त, उभरती हुई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक खतरों के बीच सहमति बनाने की कोशिश होगी।

रंगसंसार

धुरंधर फ्रेंचाइजी को लेकर बड़ा संकेत

धुरंधर फ्रेंचाइजी को लेकर दर्शकों का क्रेज लगातार बना हुआ है। इसके पिछले दोनों पार्ट्स को मिली जबरदस्त सफलता के बाद अब तीसरे भाग को लेकर चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन हालिया संकेतों ने फैंस की उम्मीदें काफी बढ़ा दी हैं। ज्योति देशपांडे ने एक हालिया इंटरव्यू में संकेत दिया है कि धुरंधर का सफर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और 2026 के अंत तक दर्शकों को एक बड़ा सरप्राइज मिल सकता है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीसरे पार्ट को लेकर उत्साह और चर्चा दोनों ही बढ़ गई हैं। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, यह भी संभव है कि धुरंधर 3 की बजाय मेकर्स कोई डॉक्यूमेंट्री या बिहाइंड द सीन (बीटीएस) प्रोजेक्ट लेकर आएं, जिसमें फिल्म की शूटिंग और निर्माण से जुड़ी अनदेखी झलकियां दिखाई जाएं। बताया जा रहा है कि कुछ खास फुटेज पहले ही शूट किए गए थे, जिन्हें बड़े प्रोजेक्ट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह कदम फ्रेंचाइजी के फैंस को एक अलग और अनोखा अनुभव दे सकता है।

राजा शिवाजी गीत फूल पारिजात जारी

फिल्म ‘राजा शिवाजी’ ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी सफलता के झंडे गाड़ने के बाद अब अपने नए गीत ‘फूल पारिजात’ से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है। यह भावुक गीत छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी पत्नी सईबाई के रिश्ते की भावनात्मक गहराई को बेहद खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ दर्शाता है। गीत में सईबाई के नजरिए से उनके रिश्ते की मासूमियत, गहरा प्रेम और अटूट आत्मीयता को दिखाया गया है। यह केवल एक प्रेम गीत नहीं है, बल्कि विश्वास और समर्पण की भावना को भी उजागर करता है, जो उनके रिश्ते की नींव थी। गाने में पारिजात फूल को प्रेम और पवित्रता के एक शाश्वत प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो इस भावनात्मक कथा में चार चांद लगाता है। इस मनमोहक गीत को मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर और सुरीली आवाज दी है, जो सीधे श्रोताओं के दिल को छू लेती है। वहीं, इसका संगीत अजय-अतुल की प्रतिभाशाली जोड़ी ने तैयार किया है, जिन्होंने अपनी सादगी और भावनात्मक गहराई से इसे और भी खास बना दिया है। ‘राजा शिवाजी’ जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले बनी एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।

14 मई को रिलीज होगी तृषा कृष्णन की करुप्पु

मुंबई तमिल सिनेमा की अभिनेत्री तृषा कृष्णन बहुप्रतीक्षित फिल्म करुप्पु का धमाकेदार ट्रेलर जारी किया गया। इस फिल्म में अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं, जबकि आरजे बालाजी ने न केवल इसका निर्देशन किया है, बल्कि खलनायक के किरदार में भी नजर आएंगे। फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। करुप्पु एक एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा है, जो एक लंबे समय से लंबित और उपेक्षित पड़े मामले पर आधारित है। ट्रेलर में कानूनी लड़ाई, तीव्र संवाद और दमदार एक्शन दृश्यों का मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को न्याय और प्रतिशोध के गहन विषय से रूबरू कराएगा। फिल्म का निर्देशन आरजे बालाजी ने बड़ी कुशलता से किया है, जिन्होंने कहानी को दिलचस्प बनाने के लिए हर पहलू पर ध्यान दिया है। ट्रेलर करुप्पु में सूर्या को दो भिन्न और प्रभावशाली अवतारों में प्रस्तुत करता है।

एक तरफ वह अदालत के भीतर अपनी बात को मजबूती से रखते हुए वकील की भूमिका में दिखते हैं, तो दूसरी तरफ वह सड़कों पर न्याय के लिए संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। वह एक ऐसे मामले को अपने हाथों में लेते हैं जिसे वर्षों से अनदेखा किया जा रहा था। उनका किरदार कानूनी पेचीदगियों से जूझने के साथ-साथ शारीरिक टकरावों में भी शामिल होता है, जो फिल्म की गहनता और रोमांच को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि न्याय की लड़ाई सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाहर भी एक अलग तरह का संघर्ष जारी है। फिल्म की कहानी एक गंभीर पृष्ठभूमि के साथ शुरू होती है, जहां एक वृद्ध व्यक्ति और उसकी पोती न्याय की उम्मीद में बार-बार अदालत के चक्कर लगाते हैं, लेकिन उनके मामले को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

तृषा कृष्णन भी एक वकील की सशक्त भूमिका में हैं, जो उनकी मदद करने की कोशिश करती हैं। हालांकि, उन्हें डिफेंस काउंसिल यानी आरजे बालाजी से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो अपने किरदार में पूरी तरह से खलनायक के रंग में रंगे हुए दिखते हैं। उनका टकराव फिल्म के ड्रामा को और बढ़ाता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, सूर्या का किरदार करुप्पु इसमें प्रवेश करता है। वह इस अनदेखे मामले को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से दृढ़ और आश्वस्त दिखाई देता है। उसका संघर्ष केवल कानूनी प्रणाली तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि वह रास्ते में आने वाले हर अवरोधक से भिड़ने को तैयार रहता है। ट्रेलर में उसके कोर्ट में तीखी बहस और बाहर शारीरिक झड़पों की झलक साफ तौर पर दिखाई गई है।

मराठी फिल्म फनरल का हिंदी रीमेक

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित मराठी फिल्म ‘फनरल’ का हिंदी रीमेक बनाने की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूसर रवि भागचंदका लेकर आ रहे हैं और फिलहाल इसकी स्क्रिप्ट पर काम जारी है। रवि भागचंदका ने बताया कि उन्हें यह फिल्म इसकी भावनात्मक ईमानदारी और मृत्यु को देखने के इसके अनूठे दृष्टिकोण के कारण बेहद खास लगी। उनके अनुसार, आमतौर पर फिल्मों में मृत्यु को केवल दुखद घटना के रूप में दिखाया जाता है, लेकिन ‘फनरल’ इसे इंसानियत, रिश्तों और जीवन के उत्सव के रूप में प्रस्तुत करती है। भागचंदका ने कहा कि यह कहानी बेहद महत्वपूर्ण संदेश देती है कि किसी की मृत्यु भी हमें अपने रिश्तों को गहराई से समझने और जीवन को एक नए नजरिए से देखने का अवसर प्रदान कर सकती है। यही बात इस फिल्म को अन्य कहानियों से पूरी तरह अलग बनाती है और दर्शकों के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। रवि का दृढ़ता से मानना है कि एक सच्ची कहानी वही होती है जो भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर दर्शकों तक अपनी बात पहुंचाती है। इसीलिए वह इस महत्वपूर्ण फिल्म को हिंदी दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि इसकी मूल आत्मा और संवेदनशीलता पूरी तरह बरकरार रहे।

करिश्मा कपूरः करोड़ों की मालकिन और मजबूत ब्रांड

बॉलीवुड की प्रतिष्ठित अभिनेत्री करिश्मा कपूर, जिन्होंने नब्बे के दशक में अपनी शानदार अदाकारी से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया, आज भी अपनी लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति दोनों में बेजोड़ हैं। भले ही वे अब बड़े परदे पर सक्रिय न हों, लेकिन उनकी संपत्ति और जीवनशैली किसी भी टॉप स्टार से कम नहीं है। करिश्मा ने बेहद कम उम्र में ही अभिनय के प्रति अपने जुनून को प्राथमिकता दी थी और अपनी स्कूली शिक्षा (मुंबई के कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से शुरुआती पढ़ाई के बाद) पांचवीं कक्षा तक ही पूरी कर ली थी। वर्ष 1991 में प्रेम कैदी से फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद, उन्होंने अनाड़ी, राजा बाबू, अंदाज अपना अपना और कुली नंबर 1 जैसी कई सुपरहिट फिल्में देकर खुद को उस दौर की अग्रणी अभिनेत्रियों में शुमार किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, करिश्मा कपूर की कुल संपत्ति लगभग 120 करोड़ रुपये आंकी जाती है, जो फिल्मों से उनकी दूरी के बावजूद लगातार बढ़ रही है। उनकी आय के प्रमुख स्रोतों में मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित उनकी रियल एस्टेट प्रॉपर्टी शामिल है, जिसे किराए पर देकर वे मासिक लाखों रुपये कमाती हैं। इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए प्रति विज्ञापन 50 लाख रुपये तक की मोटी फीस लेती हैं। उनका शानदार कारों का कलेक्शन भी उनकी लग्जरी लाइफस्टाइल का हिस्सा है, जिसमें मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास और लेक्सस एलएक्स जैसी महंगी गाड़ियां शामिल हैं। टेलीविजन रियलिटी शो में जज के रूप में उनकी उपस्थिति भी उनकी आय में महत्वपूर्ण योगदान देती है, जिससे करिश्मा आज भी मनोरंजन जगत की एक सशक्त और सफल हस्ती बनी हुई हैं।

दैनिक पंचांग

14 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.27 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	07.25 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.38 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.06 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.17 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.32 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.48 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.53 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	00.39 बजे से
		मीन	02.12 बजे से
		मेष	03.43 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 134 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 11.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 22.34 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 17.53 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.21 बजे तदनन्तर गर 22.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872709
जूलियन दिन 2461174.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 26
विशेष गुरु प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

चुनाव खत्म होते ही सरकार को तेल संकट की याद?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त थे। पिछले 3 महीने से चुनाव और खाड़ी युद्ध साथ-साथ चल रहा था। ऐसी स्थिति में सरकार चुनाव में व्यस्त थी। जैसे ही चुनाव परिणाम आए। उसके बाद सरकार की प्राथमिकता कच्चे तेल रसोई गैस और खाद के संकट को दूर करने में लग गई है। सरकार ने इसे प्राथमिकता में लिया है। सरकार को एक कठिनाई विदेशी मुद्रा भंडार की जरूर आ रही है।सरकार इसके लिए भी जल्द कोई इंतजाम कर लेगी। बाकी सब चंगा है, सरकार फिक्र कर रही है।जनता को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

डिजिटल कृषि मिशन से करोड़ों किसानों को मिली नई पहचान

किसानों की आय बढ़ाने में डिजिटल कृषि मिशन की भूमिका अहम हो गई है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का किसानों को लाभ आसानी से मिले, इसके लिए विशिष्ट डिजिटल किसान पहचान पत्र (आइडी) की अहमियत बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा, फसल सर्वेक्षण सहित सरकार की तमाम योजनाओं का किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए आधार की तर्ज पर 11 अंकों वाले विशिष्ट किसान आइडी उनके लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

देश में मार्च तक अब तक करीब नौ करोड़ किसान आइडी बनाए जा चुके हैं। भविष्य में यह पहचान पत्र किसानों को उर्वरक, सबसिडी सहित तमाम योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेज होगा। नई पहचान से किसानों की जमीन, फसल, मिट्टी और पशुधन का डेटा एक ही जगह सुरक्षित रहेगा। इस मिशन का उद्देश्य समय पर सटीक जानकारी प्रदान कर, उत्पादन लागत को कम करते हुए फसलों का नुकसान करना है ताकि किसानों की आय में बढ़ोतरी हो। यह अभियान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत चलाया जा रहा है।

बदलाव

देश में मार्च तक अब तक करीब नौ करोड़ किसान आइडी बनाए जा चुके हैं। भविष्य में यह पहचान पत्र किसानों को उर्वरक, सबसिडी सहित तमाम योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेज होगा। नई पहचान से किसानों की जमीन, फसल, मिट्टी और पशुधन का डेटा एक ही जगह सुरक्षित रहेगा।

डिजिटल कृषि मिशन का उद्देश्य मकसद खेती के लिए एक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआइ) तैयार कर मिट्टी, जमीन, फसल, जानवरों के लिए किसान केंद्रित डिजिटल समाधान के लिए एक सशक्त डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। एग्रीस्टैक डीपीआइ में कृषि क्षेत्र से जुड़ी तीन बुनियादी डेटाबेस हैं। इनमें किसानों की पहचान, भूमि रिकार्ड, आय, ऋण, बीमा, फसल समेत किसानों से संबंधित संपूर्ण ब्यौरा संरक्षित किया जाता है।

मार्च तक अब तक 9 करोड़ से अधिक किसानों को विशिष्ट पहचान के लिए 'किसान आइडी' मुहैया की गई है। खासतौर पर विशिष्ट किसान पहचान मिलने से खेती और किसानों को विभिन्न योजनाओं का फायदा मिलने के साथ साथ एकीकृत डेटा से कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान में भी सहूलियतें बढ़ गई हैं। इससे पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, ऋण समेत अन्य योजनाओं का लाभ सटीक, पारदर्शी और त्वरित मिल सकेगा और सभी जानकारियां गोपनीय रहेंगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, अब तक करीब 9 करोड़ किसान आइडी बन चुकी हैं जो ‘एग्रीस्टैक’ का हिस्सा हैं। आधार की तर्ज पर 11 अंकों वाले यूनिक किसान आइडी बनाकर किसानों को एक यूनिक डिजिटल पहचान दी गई है। इसमें उनकी जमीन, फसल, मिट्टी और पशुधन का डेटा एक ही जगह सुरक्षित रहेगा।

देखभाल

जयपुर में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर नवजात शिशुओं की देखभाल करतीं नर्सें।

शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं ज्यादा कामकाजी

देश में शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाएं ज्यादा कामकाजी हैं। हालांकि पुरुषों की तुलना में महिलाओं की रोजगार भागीदारी अब भी काफी कम बनी हुई है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति शहरों के मुकाबले बेहतर है।

रपट

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन, डेयरी और पारिवारिक कार्यों में महिलाओं की बड़ी भूमिका होती है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मोस्पी) की भारत में महिलाएं और पुरुष 2025 विषय पर रपट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं की संख्या शहरों के मुकाबले 19 फीसद अधिक है। शहरों में एकल परिवार, सुरक्षित कार्यस्थल, बेहतर परिवहन, बच्चों की देखभाल की सुविधाएं सहित अन्य बड़ी समस्याएं हैं। रपट के श्रमिक-जनसंख्या अनुपात के अनुसार देश में 15 साल से अधिक आयु के कुल पुरुषों में 76.6 फीसद किसी न किसी रोजगार या आर्थिक गतिविधि में शामिल रहे, जबकि महिलाओं में यह अनुपात केवल 38.8 फीसद दर्ज किया गया। कुल आबादी के स्तर पर यह अनुपात 57.4 फीसद रहा। ग्रामीण भारत में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों का कार्य भागीदारी अनुपात 78.4 फीसद रहा, जबकि महिलाओं का अनुपात 44.9 फीसद दर्ज किया गया।

कुल ग्रामीण आबादी में कार्य भागीदारी 61.2 फीसद रही। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन, डेयरी और पारिवारिक कार्यों में महिलाओं की बड़ी भूमिका होती है। यह रोजगार का एक साधन है। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की रोजगार भागीदारी काफी कम दिखाई दी।

जलवायु जोखिमों को समझने और निपटने में मददगार बनेगा ‘क्रेविस’

जलवायु परिवर्तन अब केवल भविष्य की चिंता नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। देश के कई हिस्सों में बढ़ती गर्मी, अनियमित बारिश, सूखा और बाढ़ जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में भारत ने जलवायु जोखिमों को समझने और उनसे निपटने के लिए एक बड़ा डिजिटल कदम उठाया है।

ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) ने 'क्लाइमेट रेजिलिएंस एनालिटिक्स एंड विजुअलाइजेशन इंटेलिजेंस सिस्टम' यानी 'क्रेविस' मंच विकसित और जारी किया है। यह मंच जलवायु संबंधी आंकड़ों को एक ही जगह पर उपलब्ध कराने वाला एआइ-सक्षम तंत्र है। 'क्रेविस' का उद्देश्य केवल मौसम के आंकड़े दिखाना नहीं, बल्कि भविष्य के जलवायु जोखिमों का आकलन कर सरकारों, उद्योगों और नीति निर्माताओं को बेहतर फैसले लेने में मदद करना है। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती आबादी, तेजी से शहरीकरण और कृषि पर निर्भर बड़ी आबादी के कारण जलवायु जोखिमों का असर और गंभीर हो सकता है। ऐसे में 'क्रेविस' जैसी प्रणाली भविष्य की चुनौतियों को पहले से समझने और उनके अनुरूप तैयारी करने में मदद कर सकती है। यह केवल आपदा प्रबंधन का उपकरण नहीं, बल्कि आर्थिक योजना, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कृषि नीति और शहरी विकास के लिए भी एक रणनीतिक मंच बन सकता है।

पहल

'क्रेविस' का उद्देश्य केवल मौसम के आंकड़े दिखाना नहीं, बल्कि भविष्य के जलवायु जोखिमों का आकलन कर सरकारों, उद्योगों और नीति निर्माताओं को बेहतर फैसले लेने में मदद करना है। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं।

'क्रेविस' एक एकीकृत जलवायु जोखिम क्लाइमेट रिस्क बुद्धिमत्ता मंच है, जो 40 वर्षों के ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों को भविष्य के अनुमानों के साथ जोड़ता है। यह मंच 2030-2050 और 2051-2070 तक के जलवायु परिदृश्यों का अनुमान प्रस्तुत करता है। खास बात यह है कि यह केवल राष्ट्रीय या राज्य स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि जिला और 25 गुणा 25 किलोमीटर ग्रिड स्तर तक विश्लेषण कर सकता है। इस मंच में 279 संकेतकों के आधार पर तापमान, वर्षा, नमी, सूखा, अत्यधिक गर्मी और भारी बारिश जैसी परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है। उदाहरण के तौर पर किसी जिले में आने वाले वर्षों में कितने 'लू' वाले दिन बढ़ सकते हैं, कितनी भारी बारिश हो सकती है, सूखे की अवधि कितनी लंबी हो सकती है आदि के बारे में 'क्रेविस' अनुमान लगाने में सक्षम है। 'क्रेविस' विभिन्न सरकारी और वैज्ञानिक संस्थानों के आंकड़ों को एकीकृत करता है। इसमें भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, केंद्रीय विद्युत प्राधिकर, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली और आइआइटीएम पुणे जैसे संस्थानों के आंकड़ों का उपयोग किया गया है।

यह मंच कृत्रिम बौद्धिमत्ता और आंकड़ों की मदद से जलवायु के पैटर्न का विश्लेषण करता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्र में तापमान लगातार बढ़ रहा है और वहां बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रही है, तो 'क्रेविस' इन दोनों आंकड़ों को जोड़कर भविष्य में संभावित बिजली संकट या इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव का आंकलन कर सकता है। इसी तरह कृषि क्षेत्र में यह अनुमान लगाया जा सकता है कि किस जिले में सूखे की संभावना अधिक होगी और वहां कौन-सी फसलें प्रभावित हो सकती हैं। शहरी क्षेत्रों में यह मंच यह समझने में मदद करेगा कि किन इलाकों में बाढ़ या अत्यधिक गर्मी का खतरा अधिक है, ताकि 'मास्टर प्लान' और 'इंफ्रास्ट्रक्चर' निवेश उसी हिसाब से किए जा सकें।

बीसीसीआई ने कमिंस पर जुर्माना लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धीमी ओवर गति के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर जुर्माना लगाया है। कमिंस पर बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कमिंस पर ये जुर्माना मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। बोर्ड ने इसे आईपीएल नियमों का उल्लंघन करार दिया है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, यदि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर पाती है, तो उसे धीमी ओवर गति का दोषी माना जाता है।

सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं। सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मैच

धर्मशाला । पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी। टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्युसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही पलेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरेंगे।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं। द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे। द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे - पेगुला

रोम। टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। गई है।

पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं।

पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है।

पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने अफवाहें फैलाने वालों को दी चेतावनी

टीम, व्यक्ति या ब्रांड को नुकसान पहुंचाने वाले पर करेंगे कार्रवाई

चंडीगढ़ । पंजाब किंग्स टीम की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने कहा है कि सोशल मीडिया पर टीम उसके सदस्यों और ब्रांड को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि प्रीति ने ये चेतावनी टीम को लेकर आई कुछ खबरों को लेकर दी है। इसमें कहा गया है कि

सस्ती लोकप्रियता के लिए फर्जी कहानियां ने फैलाएं। इसमें विशेष रूप से मीडिया को निशाना बनाया गया था और उनसे आग्रह किया गया था कि वे गलत जानकारी फैलाने से पहले तथ्यों की जांच करें। पोस्ट में लिखा था, आलोचना, मजाक और राय खेल का हिस्सा हैं। लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए फर्जी कहानियां और मनगढ़ंत बातें न फैलाएं।

यह पोस्ट हालांकि कुछ ही समय बाद हटा दिया गया। उसकी जगह एक नया और संशोधित पोस्ट अपलोड किया गया, जिसमें खेल पत्रकारों का सीधा जिक्र हटा दिया गया था। नए पोस्ट में कहा गया, आलोचना, मजाक और राय खेल का हिस्सा हैं पर लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए फर्जी कहानियां और मनगढ़ंत बातें नहीं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि ध्यान या लोकप्रियता के लिए गलत जानकारी फैलाने से पहले तथ्यों की जांच करें।

इस घटना के तुरंत बाद, प्रीति जिंटा ने व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सभी उपयोगकर्ताओं, मीडिया प्रोफेशनल्स सहित से अपील की कि वे बिना पुष्टि के किसी भी दावे को आगे न बढ़ाएं। अपने एक्स पोस्ट में, जिंटा ने लिखा, आलोचना और सोची-समझी गलत जानकारी फैलाने में फर्क है। खेल को लेकर स्वस्थ बहस का स्वागत है, लेकिन जानबूझकर फर्जी बातें फैलाकर किसी व्यक्ति, टीम या ब्रांड को नुकसान पहुंचाना न तो सही है और न ही इसे हल्के में लिया जाएगा। मैं सभी मीडिया प्रोफेशनल्स से अपील करती हूं कि बिना पुष्टि के किसी भी जानकारी को आगे बढ़ाने से पहले जिम्मेदारी दिखाएं। धन्यवाद।माना जा रहा है कि यह चेतावनी स्पिनर युजवेंद्र चहल के ई-स्मोकिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही कुछ खबरों के जवाब में दी गई है।

काउंटी चैम्पियनशिप में सफल वापसी के साथ ही स्टोक्स ने साबित की फिटनेस

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए हैं तैयार

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चोट से वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में अच्छी गेंदबाजी कर साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से फिट हैं। स्टोक्स की वापसी से इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने राहत की सांस ली है। टीम को आने वाले समय में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। ऐसे में स्टोक्स की वापसी से घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास के बाद से ही स्टोक्स की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

स्टोक्स ने डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ डिवीजन टू मुकाबले में खेला है। चोट से वापसी के बाद से ही यह उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

इंग्लैंड का इस साल एक व्यस्त घरेलू टेस्ट सत्र है, जिसमें उसे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और अगस्त-सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी विकल्पों की कमी को देखते हुए, स्टोक्स को इन महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं के दौरान नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है। एंडरसन, ब्रॉड और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद, टीम अभी भी एक आदर्श नई गेंद के आक्रमण की तलाश में है। ब्रायडन कार्स और मार्क वुड की चोटें, साथ ही जोफ्रा आर्चर की फिटनेस को लेकर चल रही चिंताओं ने चयनकर्ताओं के सामने 4 जून को लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से पहले बड़े फैसले लेने की चुनौती खड़ी कर दी है।वर्तमान तेज गेंदबाजी विकल्पों में ओली रॉबिन्सन, मैथ्यू पॉट्स, सैम कुक और सन्नी बेकर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन काउंटी क्रिकेट में स्टोक्स की हालिया नई गेंद की गेंदबाजी से उन्हें इस अहम भूमिका में वापसी का मौका मिल सकता है।

दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

विश्वकप में मिलेगा टीम को फायदा

जोहान्सबर्ग। इग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्क्वे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा।

गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर होने के बावजूद, इस्माइल दुनिया भर में होने वाले फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट्स में सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बनी हुई हैं। वह महिला प्रीमियर लीग, द हंड्रेड और महिला बिग बैश लीग जैसे टूर्नामेंट्स में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महिला क्रिकेट में उनकी रफ्तार और आक्रामकता का कोई मुकाबला नहीं है, और महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड आज भी उन्हीं के नाम है।

उनकी वापसी से दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी नई गेंद की जोड़ी, मारिज़ाने कैप के साथ फिर से एक साथ आ सकती है। वहीं पूर्व कप्तान डेन वैन नीकेर्क के भी पिछले साल संन्यास से वापसी करने के बाद टीम में शामिल होने की खबरें हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अयास करते दिखे पांड्या

मुंबई । मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है।

मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए।

थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे श्रीकांत और सिंधु

बैंकाक। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधु यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से सीधे सेटों में हराया। श्रीकांत ने अपनी आक्रामक शैली से लो कीन यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। वहीं महिला एकल में, भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की तुंग सियु तोंग को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। सिंधु ने अपने स्मैश और तेज रिटर्न से विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा। वहीं युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी तरह, तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

महिला एकल में भी भारत की उन्नति हुड्डा को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। भारत के ही अनमोल खरब का मुकाबला चीन के चेन यू फेई के खिलाफ 19-21, 21-13, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा है।

सीएसके टीम के साथ लखनऊ जाएंगे धोनी, टिकट हुआ बुक : कासी विश्वनाथन

सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उतरने की संभावना

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है पर वह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। इसका अंदाजा धोनी के टीम के साथ उड़ान भरने को लेकर लगाया जा रहा है। ऐसे में अगर वह खेलते हैं तो इस सत्र में उन्हें खेलते हुए देखने का प्रशंसकों का सपना पूरा हो सकता है। धोनी फिट न होने के कारण शुरुआत से ही बाहर हैं। धोनी अपनी शानदार फिनिशिंग और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं, पिंडली की चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके के प्रशंसकों को निराश हुई है। प्रशंसक उन्हें एक बार फिर खेलते हुए देखना चाहते हैं। फैंस की चाहत है कि अगर वो मैदान पर नहीं उतर सकते तो कम से कम टीम के किसी मैच में मौजूद रहें।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने भी कहा है कि धोनी का लखनऊ के लिए टिकट बुक है। टीम शुक्रवार रात को एलएसजी से खेलने वाली है और इसमें धोनी की मौजूदगी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। सीएसके इस समय प्लेऑफ की दौड़ में है और अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनाने का प्रयास कर रही है। साल की खराब शुरुआत के बाद टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज की हैं, जिससे उनकी स्थिति मजबूत हुई है।

सीएसके ने बचे हुए सत्र के लिए रामकृष्ण की जगह मैकनील को शामिल किया

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के बचे हुए मैचों के लिए चोटिल रामकृष्ण घोष की जगह नए खिलाड़ी मैकनील हैड्ली नरोन्हा को शामिल किया है।

24 साल के मैकनील उभरते हुए बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं।